शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 177 | गुवाहाटी | मंगलवार, 28 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एक राष्ट्र-एक चुनाव से जुड़ी बहस को आगे बढ़ाएं युवा : पीएम पेज 2
राज्य सरकार ने गणतंत्र दिवस पर कैदियों की सजा में छूट देने की घोषणा की पेज 3
दिल्ली की जनता को गुमराह कर रहे अरविंद केजरीवाल : देवेंद्र चतरभुज अत्री पेज 5
इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 : चीन के रजत, थाइलैंड और दक्षिण कोरिया का दबदबा पेज 7

उत्तराखंड बना समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य

सीएम धामी ने यूसीसी नियमावली और पोर्टल का किया लोकार्पण

देहरादून (हि.स.)। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) सोमवार को लागू हो गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दोपहर सवा 01 बजे के करीब मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में यूसीसी को लागू करने के लिए नियमावली और पोर्टल का लोकार्पण किया। इसी के साथ उत्तराखंड स्वतंत्र भारत का पहला ऐसा राज्य बन गया जहां यह कानून प्रभावी हो गया है। इसके बाद से विवाह, तलाक, लिव इन, लिव इन से अलग होना, विरासत आदि के ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो गए। समान नागरिक संहिता के लिए 27 मई 2022 को विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यूसीसी की नियमावली को संबंधित अधिकारियों के प्रशिक्षण के बाद लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि यूसीसी से समाज में एकरूपता आएगी और सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार और दायित्व सुनिश्चित होंगे। समान नागरिक संहिता प्रधानमंत्री की ओर से देश को विकसित, संगठित, समरस और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए किए जा रहे महान यज्ञ में हमारे प्रदेश द्वारा अर्पित की गई एक आहुति मात्र है। इसके अंतर्गत जाति, धर्म, लिंग आदि के आधार पर भेद करने वाले व्यक्तिगत नागरिक मामलों से

संबंधित सभी कानूनों में एकरूपता लाने का प्रयास किया गया है। यूसीसी नियमावली समिति के अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि आज का दिन इतिहास लिखने का दिन है। नियमावली बनाने के दौरान ला कमीशन की रिपोर्ट से प्रेरणा ली गई। इसके साथ ही राज्यभर में दौरा कर संवाद किया गया। पारदर्शी और सरल बनाया गया। समय रहते यानी निर्धारित अवधि में इस नियम के तहत कार्य करने की व्यवस्था की गई है। शिकायत देरी पर एक्शन की व्यवस्था भी यूसीसी में किया गया है। विवाह विच्छेद का भी सर्टिफिकेट देने की व्यवस्था की गई है। डेटा को सरल बनाया गया। निजी डेटा का भी ख्याल रखा गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

असम की कड़ी निगरानी

गुवाहाटी। उत्तराखंड ने सोमवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने वाला भारत का पहला राज्य बनकर इतिहास रच दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज्य दौरे से पहले मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

मुसलमानों को किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं : मदनी

नई दिल्ली (हि.स.)। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने उत्तराखंड में लागू की गई समान नागरिक संहिता को संविधान में मौजूद धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताते हुए कहा कि यह मुसलमानों को किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है। मौलाना मदनी ने कहा कि संबंधित पक्षों, विशेष रूप से मुस्लिम -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के हर निर्वाचन क्षेत्र में खुलेंगे आधुनिक स्कूल : सीएम

डिब्रूगढ़ होगी असम की दूसरी राजधानी

गुवाहाटी/डिब्रूगढ़। शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक साहसिक कदम उठाते हुए, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हाल ही में राज्य भर में अत्याधुनिक स्कूल बनाने की एक व्यापक योजना की घोषणा की। शिक्षा के उत्थान और सभी छात्रों के लिए समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से की गई इस पहल से यह सुनिश्चित होगा कि असम के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आधुनिक, अच्छी तरह से सुसज्जित स्कूलों तक पहुंच होगी। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य भर में अत्याधुनिक स्कूल बनाने की दिशा में काम कर रही है जो शिक्षा में व्यापक बदलाव लाएगी। सीएम शर्मा ने कहा कि ये स्कूल राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे और कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में सभी आधुनिक सुविधाओं वाले एक से अधिक स्कूल होंगे। इससे पहले रविवार को, सीएम शर्मा ने घोषणा की कि राज्य सरकार नई पेंशन योजनाओं को वापस लेने के लिए तैयार है। इसके बजाय, इस साल अप्रैल से कर्मचारियों के लिए केंद्र सरकार की एकीकृत पेंशन योजना लागू की जाएगी। सोमवार को डिब्रूगढ़ में गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने भाषण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पेंशन योजना (एनपीएस) को लेकर राज्य सरकार के कर्मचारियों में नाराजगी है। राज्य सरकार ने असम में एनपीएस को खत्म करने का फैसला किया है और अप्रैल महीने से एकीकृत पेंशन योजना लागू होगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि एक बार जब कोई कर्मचारी 25 साल की सरकारी सेवा पूरी कर लेता है, तो उसे सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन के रूप में अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत और महंगाई भत्ते का 50 प्रतिशत प्राप्त करने का अधिकार होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया 2005 में शुरू हुई थी, जो देश में नई पेंशन योजना शुरू होने से पहले -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अगर सफल और प्रतिष्ठित बनना है, तो झुकना सीखो। क्यूंकि जो झुकते नहीं, समय की हवा उन्हे झुका देती है।

- ईश्वर चंद्र विद्यासागर

नेहरू ने संविधान मसौदा समिति में अंबेडकर का नाम शामिल करने का विरोध किया था : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू नहीं चाहते थे कि संविधान का मसौदा बाबासाहेब अंबेडकर के नेतृत्व में तैयार किया जाए और संविधान की मसौदा समिति में अंबेडकर का नाम शामिल करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। सीएम ने कहा कि संविधान निर्माण मंच में अंबेडकर को शामिल करना चुनौतियों से भरा था क्योंकि जवाहरलाल नेहरू नहीं चाहते थे कि अंबेडकर का नाम इसमें शामिल हो। नेहरू चाहते थे कि संविधान का निर्माण किसी विदेशी देश के व्यक्ति -शेष पृष्ठ दो पर

जोनाई के विकास कार्यों की प्रगति की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को डिब्रूगढ़ स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय में जोनाई प्रखंड में चल रहे केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन और जोनाई प्रखंड के विकास से संबंधित पहलुओं की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने जोनाई राजस्व क्षेत्र में 207 राजस्व गांवों के मद्देनजर नया राजस्व सर्कल बनाने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही, ग्रामीण विकास को गति देने के लिए एक नया विकास खंड स्थापित करने का भी सुझाव दिया। बैठक में मिशन बसुंधरा 3.0 से संबंधित मामलों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने धेमाजी जिले में मिशन बसुंधरा के तहत पट्टों के आवंटन के बाद बची भूमि को सरकारी विकास कार्यों के लिए लैंडबैंक के रूप में उपयोग करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने ब्रह्मपुत्र नद के किनारे भूमि के वृक्षारोपण और वन विभाग को इस दिशा में कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने जोनाई प्रखंड के लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत चल रहे कार्यों, जैसे कि जेलेम नदी पर पुल निर्माण और अन्य सड़क परियोजनाओं की समीक्षा की। साथ ही, बिना बिजली वाले दूरस्थ क्षेत्रों में त्वरित विद्युतीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शैक्षिक ढांचे की समीक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

आईपीएस हरमीत सिंह को मिला डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम पुलिस के स्पेशल डीजीपी हरमीत सिंह को डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। असम सरकार के गृह विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश के तहत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में महानिदेशक (डीजी) के पद पर प्रतिनियुक्ति हेतु विरमित किया है। यह प्रतिनियुक्ति उनके सेवानिवृत्ति की तारीख 30 नवंबर 2027 या अगले आदेश तक लागू रहेगी। राज्य सरकार के अधिसूचना में कहा गया है कि ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को उनके प्रभार सौंपने की तिथि से विरमित किया जाएगा। ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह के स्थान पर असम के स्पेशल डीजीपी, नागरिक सुरक्षा महानिदेशक और होम गार्ड्स के कमांडेंट जनरल, हरमीत सिंह को अस्थायी रूप से असम पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। वे यह दायित्व नियमित नियुक्ति या अगले आदेश तक निभाएंगे।

न्यूज गैलरी

लेबनान और गाजा में संघर्ष विराम के बावजूद मारकाट

बेरूत/गाजा पट्टी (हि.स.)। लेबनान और गाजा में संघर्ष विराम के बीच मारकाट मची हुई है। लेबनान के अधिकारियों ने कहा कि इजराइली बलों ने कल दक्षिणी लेबनान में कम से कम 22 लोगों को मार डाला, जबकि गाजा में -शेष पृष्ठ दो पर

अपनी ही आग में जल रहा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश अब खुद अपनी ही आग में जलने लग गया है। देश की राजधानी ढाका में छात्रों का रातभर हंगामा देखने को मिला है। उनको नियंत्रित करने के लिए प्रशासन के हाथ-पैर फूल गए, जिसके बाद बॉर्डर गार्ड फोर्स लगानी पड़ी है। दरअसल, ढाका यूनीवर्सिटी (डीयू) और सात संबद्ध सरकारी कॉलेजों के छात्रों के बीच तनाव बढ़ गया और ये तनाव अब भी जारी है। रात 11 बजे शुरू हुई झड़पों में कम से कम पांच लोग घायल हो गए। यह झड़प तब शुरू हुई जब संबद्ध कॉलेजों के -शेष पृष्ठ दो पर

महाकुंभ में अमित शाह ने लगाई डुबकी, अक्षयवट के दर्शन भी किए

महाकुंभ नगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाई। शाह के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कई साधु-संत भी थे। उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच अलग से डुबकी भी लगाई। महाकुंभ मेले के बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक में भाग लेने के लिए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज पहुंचे। हवाई -शेष पृष्ठ दो पर

गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी खत्म नहीं होगी : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के महाकुंभ दौरे को लेकर उन पर तीखा कटाक्ष किया और कहा कि शाह के गंगा में डुबकी -शेष पृष्ठ दो पर

3 फरवरी से हरियाणा के 600 अस्पतालों में नहीं होगा आयुष्मान योजना के तहत इलाज

चंडीगढ़। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने 3 फरवरी से हरियाणा में आयुष्मान भारत योजना के तहत उपचार सेवाओं को रोकने की घोषणा की है। शीर्ष चिकित्सा निकाय की यह घोषणा हरियाणा में पैनल में शामिल अस्पतालों द्वारा बढ़ते बकाया भुगतान का मुद्दा उठाए जाने के बाद आई है। आईएमए 2018 से हरियाणा के सूचीबद्ध अस्पतालों की वकालत कर रहा है। ये अस्पताल आयुष्मान भारत योजना में -शेष पृष्ठ दो पर

जेपीसी की बैठक खत्म सरकार के 14 संशोधन पारित

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल पर बनी जेपीसी (जेपीसी) बैठक में आज समाप्त हो गई। संसदीय समिति ने सोमवार को सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए सदस्यों द्वारा प्रस्तावित सभी 14 संशोधनों को स्वीकार कर लिया। वहीं, विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश किए गए हर बदलाव को अस्वीकार कर दिया। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि समिति द्वारा अपनाए गए संशोधनों से कानून बेहतर और प्रभावी बनेगा। हालांकि, विपक्षी सांसदों ने बैठक की कार्यवाही की निंदा की और पाल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को *विकृत* करने का -शेष पृष्ठ दो पर

अब एक देश-एक समय होगा लागू उल्लंघन पर लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली। देश में अब सभी को भारतीय मानक समय को अपनाना ही होगा। एक देश एक कर व्यवस्था (जीएसटी) लागू करने और एक देश एक चुनाव के लिए कदम बढ़ाने के बाद अब सरकार देश में जल्द ही *एक देश एक समय* को लागू करने जा रही है। समय के मानकीकरण के लिए सरकार ने सभी आधिकारिक और कमर्शियल प्लेटफार्मों पर भारतीय मानक समय (आईएसटी) के उपयोग को अनिवार्य करते हुए नियमों का यह मसौदा तैयार किया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 14 फरवरी तक लोगों से इस मसौदे पर सुझाव मांगे हैं। द लीगल मेट्रोलॉजी (भारतीय मानक समय) नियम, 2024 का उद्देश्य समय-निर्धारण प्रथाओं को मानकीकृत करने के लिए कानूनी ढांचा तैयार करना है। इसमें कानूनी, प्रशासनिक, कमर्शियल व आधिकारिक दस्तावेज के लिए आईएसटी को एकमात्र समय संदर्भ के रूप में अनिवार्य किया गया है। इसका मतलब यह है कि समय के संदर्भ के लिए केवल आईएसटी का ही उपयोग किया जाएगा। प्रस्तावित नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना -शेष पृष्ठ दो पर

कर्तव्य पथ पर दिखा *लघु भारत*, 5000 कलाकारों ने प्रदर्शन से मोह लिया जनता का मन

नई दिल्ली। देश के विभिन्न भागों से आए पांच हजार कलाकारों ने रविवार को गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कर्तव्य पथ पर 45 विभिन्न नृत्य शैलियों का प्रदर्शन कर मन मोह लिया। अलग-अलग सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से होने के बावजूद वे एक सूत्र में जुड़े दिखे। हिमाचल प्रदेश से लेकर आंध्र प्रदेश और मणिपुर से लेकर गुजरात तक कर्तव्य पथ पर *लघु भारत* उतर आया, क्योंकि पारंपरिक वेशभूषा पहने कलाकारों ने एक टीम की तरह प्रदर्शन किया। उनकी सफलता के पीछे केवल कठोर अभ्यास ही नहीं था, बल्कि उनके बीच अंतर-सांस्कृतिक संबंध भी नजर आया। संस्कृति मंत्रालय द्वारा *जयति जय मां भारतम* प्रस्तुति में 11 मिनट का सांस्कृतिक प्रदर्शन किया गया। यह परेड के मुख्य आकर्षणों में एक रहा। इसके गीत सुभाष सहगल ने लिखे और संगीत शंकर महादेवन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एक राष्ट्र-एक चुनाव से जुड़ी बहस को आगे बढ़ाएं युवा : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को युवाओं से अपील की कि वे *एक राष्ट्र-एक चुनाव* से जुड़ी बहस को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि विषय युवाओं से जुड़ा है और उन्हें इस पर अपने विचार रखने चाहिए। चुनावों से बड़े स्तर पर पढ़ाई प्रभावित होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज वार्षिक *राष्ट्रीय कैडेट कोर* पीएम रैली में भाग लिया और करिअप्पा परेड ग्राउंड में एनसीसी के युवा कैडेट को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एक राष्ट्र-एक चुनाव के विचार का समर्थन किया और कहा कि आजादी के बाद काफी समय तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते रहे हैं। बाद में यह पैटर्न बदल गया और इसका नुकसान देश को उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि हर चुनाव में वोटिंग लिस्ट अपडेट जैसे बहुत सारे काम होते हैं। इसमें अक्सर हमारे शिक्षकों की ड्यूटी लगती है जिस कारण से पढ़ाई प्रभावित होती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत में युवाओं के सामने आ रही अनेक बाधाओं को दूर करने का काम किया है। इससे युवाओं और देश का सामर्थ्य बढ़ा है। भारतीय गणतंत्र के 75 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के संविधान ने हर समय देश को लोकतांत्रिक प्रेरणा दी है और नागरिक कर्तव्यों का महत्व समझाया है। इसी तरह से एनसीसी ने भी हर समय भारत के नौजवानों को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा दी और उन्हें अनुशासन का महत्व समझाया है। कैडेट्स को एनसीसी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस की परेड में चुना जाना अपने आप में एक उपलब्धि है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का युवा आज वैश्विक भलाई की शक्ति के तौर पर उभरा है। युवाओं को भारत के अमृतकाल में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारे कार्यों और निर्णयों की कसौटी विकसित भारत हो। उन्होंने युवाओं से पांच प्राणों को हमेशा याद रखने की अपील की। उन्होंने बताया कि पांच प्राण यानी विकसित भारत, गुलामी की सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता के लिए काम और कर्तव्यों के प्रति ईमानदारी। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष गणतंत्र दिवस शिविर में कुल 2361 एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया, जिनमें 917 बालिका कैडेट भी शामिल थीं। यह संख्या के हिसाब से बालिका कैडेटों की अब तक की सर्वाधिक भागीदारी थी। इस बार 18 मित्र देशों के करीब 144 कैडेट्स भी इस दौरान मौजूद रहे।

चीन की प्रयोगशाला से ही हुई कोरोना की उत्पत्ति : सीआईए

वाशिंगटन। अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) ने कोरोना वायरस को लेकर नया खुलासा किया है। सीआईए का मानना है कि कोविड-19 महामारी के लिए जिम्मेदार वायरस की उत्पत्ति प्रयोगशाला से ही हुई है और इसे दुनिया में जानबूझकर फैलाया गया। सीआईए के एक आकलन के अनुसार, यह आशंका चीन पर उंगली उठाती है, हालांकि खुफिया एजेंसी को अपने निष्कर्षों पर पूर्ण विश्वास नहीं है। यह निष्कर्ष किसी नई खुफिया जानकारी का परिणाम नहीं है, तथा शनिवार को जारी की गई रिपोर्ट पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन और पूर्व सीआईए निदेशक विलियम बर्न्स के आदेश पर पूरी की गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एजेंसी का नेतृत्व करने के लिए चुने गए जॉन रैटक्लिफ के आदेश पर इस रिपोर्ट को शनिवार को सार्वजनिक किया गया। सीआईए का सूक्ष्म निष्कर्षों के आधार पर मानना है कि साक्ष्यों की समग्रता से यह पता चलता है कि कोविड-19 के लिए जिम्मेदार कोरोना वायरस की उत्पत्ति प्राकृतिक उत्पत्ति की तुलना में प्रयोगशाला में होने की अधिक आशंका है। सीआईए के प्रमुख रैटक्लिफ ने फॉक्स न्यूज को बताया कि मुझे अपने पहले दिन ही बाइडेन प्रशासन में वास्तव में हुए एक आकलन को सार्वजनिक करने का अवसर मिला। इसलिए इस पर राजनीतिक होने का आरोप नहीं लगाया जा सकता।

दिल्ली विस चुनाव से पहले सीमाओं पर नाकाबंदी

सोनीपत (हिंस)। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि दिल्ली का पड़ोसी जिला होने के कारण हमारी भी जिम्मेदारी है कि दिल्ली में पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनावों को शांतिपूर्वक संपन्न करवाया जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिल्ली के साथ लगती सीमाओं के नाकों पर पुलिस चौकसी रखें ताकि दिल्ली में किसी प्रकार के अवैध लेन देन, अवैध शराब की आवाही न हो सके। इसके लिए सीमाओं के साथ लगते नाकों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में अधिकारियों की बैठक ली और उन्हें उचित दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेल जंपर व पीओ को तुरंत गिरफ्तार करें ताकि वे चुनाव में किसी प्रकार की अशांति या बाधा उत्पन्न न करें और चुनाव शांतिपूर्ण व निष्पक्ष संपन्न हो। इसके अलावा पुलिस व एक्साईज विभाग दिल्ली के साथ लगते नाकों पर संदिग्ध गाडियों की चैकिंग करें ताकि चुनाव के दौरान अवैध शराब या नकदी का इस्तेमाल न हो। उपायुक्त ने जिला निर्वाचन तहसीलदार को निर्देश दिए कि दिल्ली चुनाव को लेकर अगर किसी व्यक्ति की यहां वोट है और वह उस वोट को कटवाना या दिल्ली शिफ्ट करने के लिए आवेदन करता है तो ऐसे आवेदनों पर तुरंत कार्रवाई करें ताकि पात्र वोटर चुनाव के दौरान अपनी वोट का प्रयोग कर सके। इस मौके पर डीसीपी नेंद्र सिंह, एसडीएम अमित कुमार, डीईटीसी एक्साईज नरेंद्र कौशिक, निर्वाचन कानूगो कृष्ण हुड्डा व पूजा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

हिसार के मेजर दुष्यंत सिहाग को मिला सेना मेडल

हिसार (हिंस)। जिले के गांव जाखोद खेड़ा निवासी मेजर दुष्यंत सिहाग को गणतंत्र दिवस पर सेना मेडल से सम्मानित किया गया है। उनके पिता का नाम कर्नल सत्यवीर सिहाग व माता का नाम योगिता सिहाग है। उनके पिता कर्नल सत्यवीर सिहाग इस समय मेरठ में तैनात हैं। मेजर दुष्यंत सिहाग के ताऊ बलबीर सिहाग ने सोमवार को बताया कि उनका भतीजा 27 वर्षीय मेजर दुष्यंत सिहाग की पोस्टिंग इस समय जम्मू-कश्मीर में है। सेना द्वारा जम्मू कश्मीर में आतंकवाद विरोधी सर्च अभियान चलाया गया था। इस अभियान में मेजर दुष्यंत सिहाग के नेतृत्व में उनकी टीम ने कश्मीर में विदेशी आतंकी को मार गिराया। इसके लिए मेजर दुष्यंत सिहाग को सेना मेडल (वीरता) से पुरस्कृत किया गया है।

अमेरिका में अवैध अप्रवासियों पर कसा शिकंजा, धरपकड़ के लिए गुरुद्वारों में मारे छापे

न्यूयॉर्क। अमेरिका के गृह मंत्रालय (डीएचएस) के सुरक्षा अधिकारियों ने अवैध अप्रवासियों की जांच के लिए न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी के गुरुद्वारों का दौरा किया, जिस पर कुछ सिख संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। सिख संगठनों ने इस तरह की कार्रवाई को अपनी आस्था की पवित्रता के लिए खतरा बताया है। माना जाता है कि सिख अलगाववादियों के साथ साथ वैध दस्तावेज के बगैर रह रहे कुछ अप्रवासी न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी के कुछ गुरुद्वारों का उपयोग करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के कुछ ही घंटों के भीतर गृह मंत्रालय के कार्यवाहक मंत्री बेंजामिन हफमैन ने एक निर्देश में आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) एवं सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) प्रवर्तन कार्रवाइयों के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन के उन दिशानिर्देशों को रद्द कर दिया, जो तथाकथित *संवेदनशील* क्षेत्रों में या उसके आस पास कानून को लागू करने बाधा पहुंचाते हैं। इन संवेदनशील क्षेत्रों में गुरुद्वारे और गिरजाघर जैसे पूजा स्थल शामिल हैं। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि यह कार्रवाई सीबीपी और आईसीई के अधिकारियों को हमारे आव्रजन कानूनों को लागू करने और हत्यारों एवं बलात्कारियों सहित आपराधिक विदेशियों को पकड़ने में सशक्त बनाती है, जो अवैध रूप से हमारे देश में आए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि अपराधी अब गिरफ्तारी से बचने के लिए अमेरिका के स्कूलों और गिरजाघरों में छिप नहीं पाएंगे। ट्रंप प्रशासन हमारे बहादुर अधिकारियों के हाथ नहीं बांधेगा और इसके बजाय उसे भरोसा है कि अधिकारी ऐसे मामलों में अपने विवेक का इस्तेमाल करेंगे। एक बयान में सिख अमेरिकन लीगल डिफेंस एंड एजुकेशन फंड (एसएएलडीएफ) ने आव्रजन प्रवर्तन कार्रवाइयों पर प्रतिबंध के संबंध में पूजा स्थलों जैसे *संवेदनशील क्षेत्रों* को नामित करने वाले पूर्व के दिशा-निर्देशों को रद्द करने के निर्देश पर गंभीर चिंता व्यक्त की। एसएएलडीएफ ने कहा कि नीति में परेशान करने वाले इस बदलाव के साथ ही समुदाय से ऐसी रिपोर्ट सामने आई, जिसमें निर्देश जारी होने के कुछ ही दिनों बाद डीएचएस अधिकारियों ने न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी क्षेत्रों में गुरुद्वारों का दौरा किया।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
Apollo HOSPITALS
Consultant Paediatrics
Dr. Jothi S. Parthasarathy MD (Paed), Neonatal Fellow (Australia)
Will be available only for consultation at Guwahati
ON 7th February'2025
Children suffering from Infectious Disease, Childhood Infections, Bronchial Asthma, Allergy, Frequent fever, Weight loss, Loss of apetite, Less sleep, Lak of proper growth, Bone pains, Stomach & Digestive problems, Pain Abdomen, Bed weeting, Abdomen problems etc can rigester their names in advance at
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

CONSULTATION WITH APOLLO EXPERTS
Apollo HOSPITALS
CARDIOTHORACIC VASCULAR SURGEON
DR AJAY NARASIMHAN
MBBS, MCh, MS
Visiting GUWAHATI on 2nd February'2025
Patients suffering from lung cancer,tuberculosis,bronchiectasis, aspergilloma homopysis coughing blood mediastinal mass, thymoma, cough, cough with sputum, coughing blood, dry cough, breathlesness, noisy breathing lump in the chest ect can register their names in advance at:
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

उत्तराखंड बना समान ...

अगर किसी को आपत्ति नहीं है तो उस व्यक्ति की उसके अनुसार उनकी डेटा की जानकारी ली जा सकती है। इस प्रकार की डेटा में व्यवस्था की गई है। इस मौके पर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि यूसीसी में सभी देवतुल्य जनता के हितों की चिंता करते हुए सरल बनाया गया है। समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे सभी वर्ग के लोगों को त्वरित न्याय मिलेगा। सभी सरकारी विभागों को नियमों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। अधिनियम के क्रियान्वयन के दौरान कोई भी समस्या आएगी उसका त्वरित निस्तारण किया जाएगा। अन्य राज्यों के लिए उत्तराखंड उदहारण बन गया है। यूसीसी नियम के तहत पूजा-पद्धति और परंपराओं में कोई बदलाव नहीं किया गया। कोई भी शख्स बहुविवाह नहीं कर पाएगा। सभी के लिए तलाक का कानून एक जैसा होगा। लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीकरण कराना भी जोड़ों के लिए अनिवार्य होगा। इस दौरान पैदा होने वाले बच्चे को भी शादीशुदा जोड़े के बच्चे की तरह अधिकार मिलेगा। उत्तराधिकार में लड़कियों को लड़कों के बराबर की हिस्सेदारी होगी। यूसीसी में विवाह का पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। इसके लिए कट ऑफ डेट 27 मार्च 2010 रखी गई है। यानी इस दिन से हुए सभी विवाह पंजीकृत कराने होंगे। विवाह का पंजीकरण छह माह के भीतर करना होगा। विवाह पंजीकरण करने के लिए किए गए आवेदन पर कानूनी स्वीकृति न मिलने पर विवाह का आवेदन स्वीकृत माना जाएगा। यूसीसी के नियम-कानून से अनुसूचित जनजाति को बाहर रखा गया है। ट्रांसजेंडर, पूजा-पद्धति व परंपराओं में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। यूसीसी में सशस्त्र बलों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत यदि कोई सैनिक, वायुसैनिक या नौसैनिक विशेष अभियान में है, तो वह विशेषाधिकार वाली वसीयत कर सकता है। वह अपने हाथ से कोई वसीयत लिखता है और उसमें उसके हस्ताक्षर या फिर साक्ष्य नहीं है तो भी वह मान्य होगी। शर्त यह रहेगी कि इसकी पुष्टि होनी जरूरी है। मुख्यमंत्री के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल, सुबोध उनियाल, गणेश जोशी, सौरभ बहुगुणा, रेखा आर्य, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, डीजीपी दीपम सेठ के अलावा यूसीसी नियमावली समिति के अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह सहित कई गण्यमान्य उपस्थित रहे।

मुसलमानों को किसी ...

अल्पसंख्यकों की आपत्तियों को नजरअंदाज कर इस कानून का क्रियान्वयन न्याय विरोधी है। भारत के विधि आयोग द्वारा मंगाए गए जनता के सुझावों से यह तथ्य सामने आ गया था कि देश के अधिकांश लोग इस तरह के कोड को स्वीकार नहीं करते। इसलिए विधि आयोग ने सरकार को सलाह दी थी कि समान नागरिक संहिता न तो वांछनीय थी और न ही इसकी कोई आवश्यकता है। इसके बावजूद सार्वजनिक सुझावों और विधि आयोग की सिफारिशों की उपेक्षा करते हुए सरकार ने एक तानाशाह की तरह इस कानून को जनता पर थोपकर लोकतंत्र की हत्या की है। मौलाना मदनी ने कहा कि हमने सरकारों के सामने इस सच्चाई को बार-बार पुरजोर ढंग से प्रस्तुत किया है। अगर सरकार इस वादे से मुकरती है तो हम इसके विरुद्ध कानून और संविधान के दायरे में रह कर संघर्ष करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा देश अनेकता में एकता का एक महान उदाहरण है। इसको नजरअंदाज कर जो भी कानून बनाया जाएगा, उसका सीधा असर देश की एकता और अखंडता पर पड़ेगा। यह अपने आप में समान नागरिक संहिता के विरोध का सबसे बड़ा कारण है। मौलाना मदनी ने कहा कि हम इस बात पर दृढ़ हैं कि मुसलमान इस्लामी शरीया पर पूरी तरह डटे रहेंगे और इस रास्ते में आने वाले किसी भी कानून की परवाह नहीं करेंगे।

असम की कड़ी ...

पुष्कर सिंह धामी द्वारा यूसीसी पोर्टल का उद्घाटन इस महत्वपूर्ण कदम का प्रतीक था। उत्तराखंड में इस कानून को लागू करने की शुरुआत हो चुकी है, जबकि असम भी इस पर करीबी नजर रख रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा लंबे समय से अपने राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की वकालत कर रहे हैं। फरवरी 2024 में, शर्मा ने राज्य विधानसभा को आश्वासन दिया था कि उनकी सरकार *मुख्य द्वार* के माध्यम से समान नागरिक संहिता लागू करेगी, तथा जोर देकर कहा था कि यह पारंपरिक प्रथाओं और अनुष्ठानों में हस्तक्षेप नहीं करेगी। शर्मा ने पहले कहा था कि असम, उत्तराखंड और गुजरात के बाद तीसरा राज्य होगा जो समान नागरिक संहिता के लिए विधेयक पेश करेगा, लेकिन इसमें जनजातीय समुदायों को छूट दी जाएगी। अब, जबकि उत्तराखंड इस दिशा में आगे बढ़ रहा है, सभी की निगाहें मुख्यमंत्री शर्मा पर होंगी कि वे असम में समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन में किस प्रकार प्रगति करते हैं।

राज्य के हर निर्वाचन...

की बात है; हालांकि, किसी कारण से, उन्हें पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में नामांकित नहीं किया जा सका। मुख्यमंत्री के अनुसार, इन कर्मचारियों को अब ओपीएस में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। वहीं मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को घोषणा की कि गुवाहाटी से 478 किलोमीटर पूर्व में स्थित जिला मुख्यालय शहर डिब्रूगढ़ को अगले तीन वर्षों के भीतर राज्य की दूसरी राजधानी के रूप में विकसित किया जाएगा। यह कदम प्रशासनिक कार्यों को अधिक समान रूप से वितरित करने, राज्य में विकास को बढ़ावा देने और विविध आबादी की जरूरतों को पूरा करने की एक बड़ी योजना का हिस्सा है। इसे असम में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले एक आउटरीच रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान शिलांग असम की राजधानी थी और 1972 में मेघालय के निर्माण तक ऐसा ही रहा। 1973 में, राजधानी को आधिकारिक तौर पर गुवाहाटी के दिसपुर में स्थानांतरित कर दिया गया। सीएम ने डिब्रूगढ़ में पहली बार आयोजित राज्य सरकार के आधिकारिक गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान यह घोषणा की। शर्मा ने कहा कि मैं डिब्रूगढ़ में गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का सौभाग्य महसूस कर रहा हूं। अगले तीन वर्षों में, डिब्रूगढ़ भारत का एक महत्वपूर्ण शहर बन जाएगा। उन्होंने कहा कि डिब्रूगढ़ में एक स्थायी विधानसभा भवन बनाया जाएगा, जिसकी आधारशिला अगले साल 25 जनवरी को रखी जाएगी। 2027 से शुरू होकर, शहर को राजनीतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए एक वार्षिक विधानसभा सत्र आयोजित किया जाएगा। महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश दोहरी राजधानी प्रणाली का पालन करते हैं।

नेहरू ने संविधान मसौदा ...

द्वारा किया जाए। शर्मा ने कहा कि अंबेडकर को भारत के संविधान के मसौदे के लिए 292 सदस्यों की प्रारंभिक सूची में जगह नहीं मिल पाई थी। पूर्वी बंगाल के एक दलित नेता द्वारा उनके स्थान पर अंबेडकर का नाम प्रस्तावित करने के बाद ही बीआर अंबेडकर को संविधान मसौदा समिति में शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि नेहरू अंबेडकर को *संकटमोचक* कहकर संविधान मसौदा समिति से बाहर रखना चाहते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेहरू ने संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ सर आइवर जेनिंग्स का नाम प्रस्तावित किया था। लेकिन महात्मा गांधी ने नेहरू के बिल्कुल विपरीत रुख अपनाया और बीआर अंबेडकर की बुद्धि और योग्यता पर भरोसा जताया। आज हमारा देश अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान पर गर्व से खड़ा है जो महात्मा गांधी के विश्वास का प्रमाण है।

जोनाई के विकास ...

करते हुए मुख्यमंत्री ने उच्च प्राथमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक विद्यालय में उन्नत करने या निकटवर्ती उच्च माध्यमिक विद्यालयों से जोड़ने के सुझाव दिए, ताकि ड्रॉपआउट की समस्या को कम किया जा सके। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत, उन्होंने सिमेंचापोरी स्वास्थ्य केंद्र को एक पूर्ण चिकित्सा संस्थान में बदलने की प्रक्रिया तेज करने पर बल दिया। कृषि क्षेत्र में, मुख्यमंत्री ने किसानों से धान और सरसों की खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने और प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग को निर्देश दिया। कानून-व्यवस्था पर चर्चा करते हुए उन्होंने पुलिस विभाग को समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिये। बैठक में शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू, सांसद प्रदान बरुवा, विधायक भुवन पेगू, अतिरिक्त मुख्य सचिव एके तिवारी, स्पेशल डीजीपी हरमीत सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महाकुंभ में अमित...

अड्डे पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ राज्य के कैबिनेट मंत्रियों ने उनका स्वागत किया। महाकुंभ मीडिया सेंटर की विज्ञप्ति के अनुसार, शाह बड़े हनुमान जी मंदिर और अभयवट भी जाएंगे। गृह मंत्री ने जूनापीठाधीश्वर महामंडलेश्वर आचार्य अवधेशानंद गिरि जी महाराज और कुछ अन्य संतों के साथ फ्लोटिंग जेटी पर एक कुटिया पर बातचीत भी की। उनके कार्यक्रम में गुरु शरणानंद जी के आश्रम का दौरा भी शामिल है, जहां वह गुरु शरणानंद जी और गोविंद गिरी जी महाराज से मुलाकात करेंगे और श्रृंगेरी, पुरी और द्वारका के शंकराचार्यों के साथ बैठक के साथ अपनी यात्रा का समापन करेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि गृह मंत्री शाम को प्रयागराज से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। महाकुंभ मीडिया सेंटर ने घोषणा की कि 25 जनवरी से 3 फरवरी तक महाकुंभ क्षेत्र में वाहन पास अमान्य होंगे, साथ ही चरम मेला अवधि के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए इस क्षेत्र को नो व्हीकल जोन के रूप में नामित किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वाहन मालिकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने वाहनों को पास के पार्किंग स्थल में पार्क करें और मीडिया सेंटर तक पहुंचने के लिए जीपीएस निर्देशों का पालन करें। महाकुंभ दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक सभाओं में से एक है, जो हर 12 साल में भारत के चार स्थानों में से एक पर आयोजित की जाती है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने कार्यक्रम की सुरक्षा के लिए स्थानीय पुलिस और अर्धसैनिक बलों सहित 10,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया।

गंगा में डुबकी...

लगाने से गरीबी नहीं दूर होगी। भाजपा के खिलाफ व्यापक मोर्चा खोलते हुए कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि भगवा पार्टी के नेता कैमरों की खातिर गंगा नदी में डुबकी लगाने के लिए एक-दूसरे से होड़ कर रहे हैं। हालांकि, खड़गे ने स्पष्ट किया कि वह किसी की आस्था को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने अपना हमला और तेज कर दिया और भाजपा-आरएसएस के लोगों को देशद्रोही करार दिया और कहा कि कांग्रेस धर्म के नाम पर गरीबों का शोषण कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। खड़गे ने पीएम मोदी और शाह पर अपना हमला कम करते हुए कहा कि उन्होंने इतने पाप किए हैं कि वे 100 जन्मों में स्वर्ग नहीं जा सकते। उनकी टिप्पणी पर खड़गे पर पलटवार करते हुए, भाजपा के पुरी लोकसभा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस प्रमुख का बयान करोड़ों हिंदुओं की आस्था पर हमला था। पूरी दुनिया इस महाकुंभ की बात कर रही है वहीं भारत की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी इसे नकार रही है। महाकुंभ पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान सुनकर करोड़ों लोग आहत हैं।

3 फरवरी से हरियाणा ...

भाग ले रहे हैं। हालांकि, नवंबर 2022 में चिरायु कार्ड पेश किए गए जिससे अनियमित भुगतान हुआ, जिससे स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को काफी परेशानी हुई। 25 जनवरी को आयुष्मान भारत हरियाणा की सीईओ संगीता तेतरवाल को लिखे पत्र में आईएमए ने कहा कि हरियाणा के सभी सूचीबद्ध अस्पतालों ने हमसे उनकी ओर से कार्य करने के लिए संपर्क किया है और आपको सूचित किया है कि यदि निम्नलिखित मांगें जल्द ही पूरी नहीं की गईं, तो वे मजबूर हो जाएंगे। 3 फरवरी 2025 से आयुष्मान सेवाएं निलंबित करें। इससे हरियाणा के गरीब लोगों को अनावश्यक परेशानी होगी और इसकी जिम्मेदारी आपके विभाग की होगी। आयुष्मान (पीएमजेएवाई) हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदीजी की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। हरियाणा में सूचीबद्ध अस्पताल 2018 में लॉन्च होने के बाद से इस योजना में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। नवंबर 2022 में चिरायु कार्ड के लॉन्च ने भारी संख्या के कारण भुगतान को बहुत अनियमित बना दिया। शीर्ष चिकित्सा निकाय ने पत्र में कहा कि हम पिछले दो वर्षों से आपको इसके लिए अभ्यावेदन दे रहे हैं। हम हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी के आभारी हैं कि उन्होंने हमारी बात धैर्यपूर्वक सुनी और लंबित बकाया तुरंत जारी करने का आदेश दिया।

जेपीसी की बैठक...

आरोप लगाया। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा कि यह एक हास्यास्पद कवायद थी। हमारी बात नहीं सुनी गई। पाल ने तानाशाही तरीके से काम किया है। वहीं, जगदंबिका पाल ने विपक्ष के सभी आरोप को खारिज कर दिया और कहा कि पूरी प्रक्रिया लोकतांत्रिक थी और बहुमत का नजरिया कायम रहा। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि आज खंड-दर-खंड बैठक हुई। विपक्षी सदस्यों ने 44 खंडों पर संशोधन पेश किए। मैंने सदस्यों से पूछा कि क्या वे संशोधन पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे संशोधन पेश करेंगे। इससे ज्यादा लोकतांत्रिक कुछ नहीं हो सकता। आज जिस तरह के संशोधन पारित हुए हैं। मुझे लगता है कि इससे बेहतर विधेयक तैयार होगा। समिति द्वारा प्रस्तावित अधिक महत्वपूर्ण संशोधनों में से एक यह है कि मौजूदा वक्फ संपत्तियों पर *उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ* के आधार पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है, जो कि वर्तमान कानून में मौजूद था। जगदंबिका पाल ने कहा कि विधेयक के 14 खंडों में एनडीए सदस्यों द्वारा पेश किए गए संशोधनों को स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों ने सभी 44 खंडों में सैकड़ों संशोधन पेश किए और वे सभी वोट से हार गए। गौरतलब है कि जेपीसी की बैठक में कई बार जोरदार हंगामे की भेंट चढ़ी। कुछ दिनों पहले हुई बैठक में जगदंबिका पाल ने टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर उन्हें गाली देने का आरोप लगाया। इसके बाद भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के प्रस्ताव पर 10 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया था। वहीं, पिछले साल 22 अक्तूबर को बैठक के दौरान कई नेताओं के बीच मारपीट की नौबत आ गई थी। झड़प के दौरान कल्याण बनर्जी ने वहां रखी कांच की पानी की बोतल उठाकर मेज पर मारी और गलती से खुद को चोटिल कर लिया था।

अब एक देश-एक...

लगेगा। मसौदा के अनुसार वाणिज्य, परिवहन, सार्वजनिक प्रशासन, कानूनी अनुबंध, वित्तीय संचालन सहित सभी क्षेत्रों में आईएसटी अनिवार्य होगा। इसके मुख्य प्रविधानों में आधिकारिक व कमर्शियल उद्देश्यों के लिए आईएसटी के अलावा अन्य समय संदर्भों पर प्रतिबंध, सरकारी कार्यालयों व संस्थानों में आईएसटी का अनिवार्य प्रदर्शन शामिल हैं। मसौदे में समय-सिंक्रनाइजेशन सिस्टम का भी प्रविधान है ताकि साइबर सुरक्षा, विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके। समय सिंक्रनाइजेशन से तात्पर्य यह सुनिश्चित करने की प्रक्रिया से है कि दो सिस्टम या डिवाइस एक सामान्य समय संदर्भ साझा करते हैं। इंजीनियरिंग, सुरक्षित संचार, भौतिक प्रणालियों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में यह महत्वपूर्ण है। उपभोक्ता मामलों का विभाग राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला व इसरो के साथ मिलकर मजबूत समय प्रसार तंत्र विकसित कर रहा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि रणनीतिक और गैर-रणनीतिक क्षेत्रों में नैनोसेकंड की सटीकता के साथ समय का होना जरूरी है। दूरसंचार, बैंकिंग, रक्षा और 5जी और एआई जैसी तकनीक में सटीक समय का पालन अहम है। समय में थोड़ा हेरफेर से बड़ा नुकसान हो सकता है। इस वजह से केंद्र सरकार पूरे देश में एक जैसी समय प्रणाली लागू कर रही है। एक देश में अलग-अलग टाइम जोन के कई नुकसान हो सकते हैं।

कर्तव्य पथ पर दिखा लघु ...

ने दिया। विभिन्न नदियों की धाराओं की तरह कर्तव्य पथ पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने सभी कलाकार अलग-अलग राज्यों से आए थे। वे अपने साथ अपना रंग, अपनी वेशभूषा और संस्कृति लेकर आए थे, जो समग्र रूप से *भारत के रंग* में विलीन हो गए। प्रदर्शन में दृश्य प्रभाव और समन्वय इतना था कि समारोह में मौजूद एक आधिकारिक कमेंटेटर ने यहां तक कह दिया कि यह कर्तव्य पथ पर गणतंत्र के कुंभ जैसा लग रहा था, जो विभिन्न संस्कृतियों का संगम था। परेड समाप्त होने के बाद भी कई अतिथियों ने कलाकारों के साथ फोटो खिंचवाने या सेल्फी लेने का प्रयास किया। जिन नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया, उनमें झिझिया (बिहार), मयूर रास (उत्तर प्रदेश), डांगी (गुजरात), लंबाडी (तेलंगाना), काबुई (मणिपुर) और छऊ (बंगाल) शामिल थीं। मणिपुर के 25 वर्षीय अल्बर्टसाना राजकुमार और 19 वर्षीय लैंगलेन ने बताया कि किस तरह से नृत्य के लय में आने के लिए उन्हें महीने भर अभ्यास और सांस्कृतिक जुड़ाव की जरूरत पड़ी। राजकुमार ने कहा कि प्रदर्शन के बाद हमें बहुत अच्छा लगा।

लेबनान और गाजा ...

इजराइल ने फिलिस्तीनियों को उत्तर की ओर वापस जाने से रोक दिया। इजराइल का कहना है कि हमास संघर्ष विराम की शर्तों का लगातार उल्लंघन कर रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, रविवार को विस्थापित हजारों लेबनानी अपने घरों की ओर जाने वाली सड़कों पर आ गए तो इजरायली सेना ने गोलीबारी शुरू कर दी। इजराइली सेना ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के झंडे वाला एक वाहन उनके सैनिकों के पास आ गया। इस वजह से गोलीबारी करनी पड़ी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस गोलीबारी में 120 से अधिक लोग घायल हो गए। लेबनान में संघर्ष विराम पर नवंबर में हस्ताक्षर हुए थे। यह तय किया गया था कि इजराइल और हिजबुल्लाह दक्षिणी लेबनान से हट जाएंगे। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को तैनात किया जाएगा। इस बीच इजराइल यह कहकर फिलिस्तीनियों को उनके घर लौटने से रोक दिया कि हमास ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। इजराइल इससे भी खफा है कि अर्बेल येहुद (आखिरी महिला नागरिक बंधक) को अभी तक रिहा नहीं किया गया है। इजराइल का मानना है कि संभवत: वह जीवित है। इस बीच फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद ने कहा कि अर्बेल येहुद हमास के नहीं, उसके कब्जे में है। वह अर्बेल येहुद को शनिवार से पहले रिहा कर देगा।

अपनी ही आग...

सैकड़ों छात्रों ने साइंस लैब चौराहे पर करीब साढ़े चार घंटे तक धरना दिया। उनका प्रदर्शन डीयू प्रशासन के सामने रखी गई पांच मांगों के आधार पर था। रविवार रात करीब साढ़े बजे प्रदर्शनकारियों ने डीयू के प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर मामून अहमद के आवास की ओर कूच किया और नीलखेत चौराहे पर मुक्ति ओ गोनोटोंट्रो टोरोन के सामने अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। बांग्लादेश की मीडिया के मुताबिक, स्थिति तब और बिगड़ गई जब डीयू के सैकड़ों छात्र कई हॉल से निकल आए और प्रदर्शनकारी छात्रों को नीलखेत चौराहे से खदेड़ दिया।

राज्य सरकार ने गणतंत्र दिवस पर कैदियों की सजा में छूट देने की घोषणा की

गुवाहाटी (हिंस)। गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर असम सरकार ने कुछ श्रेणियों के कैदियों की सजा में छूट देने का निर्णय लिया है। यह छूट असम और अन्य राज्यों की जेलों में बंद उन कैदियों को दी जाएगी, जिनकी सजा अदालत (कोर्ट मार्शल को छोड़कर) ने निर्धारित की है। असम सरकार के गृह एवं राजनीतिक विभाग द्वारा आज जारी एक अधिसूचना में बताया गया है कि राज्यपाल ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 161 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 473(1) के तहत यह आदेश जारी किया। यह सजा में छूट उन कैदियों को दी जाएगी, जो श्रेणियों में आते हैं: एक वर्ष से अधिक की सजा वाले कैदियों को 30 दिन की छूट। छह महीने से एक वर्ष तक की सजा वाले कैदियों को 15 दिन की छूट। तीन से छह महीने तक की सजा वाले कैदियों को 10 दिन की छूट। एक से तीन महीने तक की सजा वाले कैदियों को 5 दिन की छूट। हालांकि, यह छूट निम्न श्रेणियों के कैदियों पर लागू नहीं होगी जो जुर्माने के बदले साधारण कारावास की सजा काट रहे हैं। विदेशी नागरिक हैं। भ्रष्टाचार, राष्ट्रविरोधी गतिविधियां, एनडीपीएस एक्ट, बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों के दोषी हैं। यह आदेश 26 जनवरी 2025 से प्रभावी होगा।

एरी को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का प्रयास : पीयूष

टोपातली एरी मूल बीज फार्म में मंत्री पीयूष हजारिका

मोरीगांव (हिंस)। डिमोरिया के टोपातली स्थित एरी मूल बीज फार्म में आयोजित एरी कृषि विज्ञान मेले में आज मंत्री पीयूष हजारिका ने भाग लिया। उन्होंने कहा कहा कि भारत सरकार के केंद्रीय रेशम बोर्ड के तहत यह *एरी मूल बीज फार्म* राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के मूंगा उत्पादनकर्ताओं को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। मुख्य रूप से डिमोरिया, जागीरोड, टोपातली के साथ-साथ निचले असम के बाको, धूपधारा, चानडूबी, छयगांव, ग्वालपाड़ा आदि क्षेत्रों के मूंगा पालनकर्ताओं ने मूंगा उत्पादन के जरिए राज्य के गौरव मूंगा उद्योग को आगे बढ़ाया है। इनमें से कई महिला एरी पालनकर्ता मूंगा उत्पादन से हर साल 1 लाख से 3 लाख रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं। इन मूंगा पालनकर्ताओं को नई उत्पादन तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से आयोजित *एरी कृषि विज्ञान मेले* में मंत्री पीयूष हजारिका ने विशिष्ट

अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने मूंगा पालनकर्ताओं से बातचीत की और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एरी पालनकर्ताओं को सम्मानित भी किया। मंत्री ने भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के तहत मूंगा और एरी रेशम कीट बीज संगठन की प्रशंसा की, जिसने विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया है।

कछार में गांजा और मादक पदार्थ जब्त, तीन गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार जिले के लखीपुर थाना की टीम ने सोमवार की सुबह लगभग 11.40 बजे ह्मारखावलेन में एक ऑटो रिक्शा को रोका। कछार पुलिस अधीक्षक नोमल महता ने आज बताया है कि तलाशी के दौरान चालक सीट के गुप्त कक्ष से पॉलिथीन में छिपाकर रखे गए 2.158 किलोग्राम संदिग्ध गांजा बरामद किया गया। मौके पर स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में मादक पदार्थ को जब्त कर दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान ममहानबी देवी, जिरीबाम, मणिपुर तथा मैबम चंद्र कृ सिंह उर्फ बॉय सिंह, जिरीबाम, मणिपुर के रूप में हुई है। इसी प्रकार, विश्वसनीय सूचना के आधार पर, 32 वर्षीय सहज उद्दीन लस्कर उर्फ बापन हुसैन लस्कर को उसके स्कूटी के साथ रंगीघर पार्ट-तीसरे में पकड़ा गया। तलाशी के दौरान स्कूटी के डिक्की से पांच साबुन के केस में छिपाकर रखे गए लगभग 60.85 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद हुई। बरामद मादक पदार्थ को स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में जब्त किया गया और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

पथरूघाट पर किसान शहादत दिवस का आयोजन 28 को

दरंग (हिंस)। सिपाझाड़ के पथरूघाट पर पूर्व की तरह इस वर्ष भी किसान शहादत दिवस मनाने की तैयारियां हो रही है। शहीदों की याद में 28 जनवरी को किसान शहादत दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो असमिया किसानों के साहस और देश प्रेम के बलिदान का गवाह है। दरअसल में अंग्रेजी शासन काल में बढ़ते टैक्स का विरोध करने वाले 140 किसानों की अंग्रेजों ने 28 जनवरी, 1894 का हत्या कर दी थी। इस ऐतिहासिक किसान विद्रोह के शहीदों की याद में 28 जनवरी को किसान शहीद दिवस मनाया जाता है, जो असमिया किसानों के साहस और देश प्रेम के बलिदान का गवाह है। किसान शहीद दिवस पथरुघाट में केंद्रीय रूप से मनाया जाता है। शहीद दिवस के अवसर पर व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि नील की खेती करने वाले किसानों पर अंग्रेजी सत्ता ने भारी मात्रा में भूमि टैक्स लगाया था, जिसका किसानों ने भारी विरोध करते हुए टैक्स न देने का निर्णय लिया। किसानों के आंदोलन को कुचलने के लिए अंग्रेजों ने क्रूरता का सहारा लिया, जिसमें 140 किसानों की जान चली गई थी।

पूर्वांचल जाट समाज ने मनाया 76वां गणतंत्र दिवस

गुवाहाटी। नगर के गढ़चुक स्थित जाट भवन में समाज द्वारा 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में झंडारोहण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाज के अध्यक्ष गणेश कुमार चौधरी तथा कार्यकारी अध्यक्ष के आर चौधरी ने संयुक्तरूप से झंडारोहण किया। झंडोत्तोलन के बाद राष्ट्रगान गाया गया और भारतमाता के जयकारों के साथ देशभक्ति नारे लगा कर समाज ने राष्ट्र के प्रति अपनी कृतज्ञता जाहिर की। इस मौके पर महासचिव रामस्वरूप ढाका, कोषाध्यक्ष श्रीचंद ढाका, मोहनलाल बिजारणिया, रामकुमार फगेड़िया, अनूप बेनीवाल, सेवाराम शिवराण, नरेंद्रसिंह बालियान, अमरचंद नागा, प्रकाश ददारवाल, जयप्रकाश नैन, शिव भगवान भामू, बालूराम जाखड़ सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग व बच्चे मौजूद थे। ध्वजारोहण के बाद मिठाईयां बांटी गई।

बीटीआर में बीटीआर शांति समझौते की 5वीं वर्षगांठ मनाई गई

कोकराझाड़ (विभास)। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) सरकार दो दिनों तक चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के साथ ऐतिहासिक बीटीआर शांति समझौते की पांचवीं वर्षगांठ मना रही है। बीटीआर शांति समझौते पर 27 जनवरी, 2020 को बोड़ो आंदोलन समूहों और केंद्र और असम सरकारों के बीच हस्ताक्षर किए गए थे। इस उत्सव की शुरुआत सोमवार को कोकराझाड़ में एक भव्य बाइक रैली के साथ हुई, जिसमें बीटीआर के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) प्रमोद बोरो सहित कई लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में समझौते पर हस्ताक्षर के बाद से क्षेत्र में हासिल की गई शांति और प्रगति पर प्रकाश डाला गया। दोपहर में, बोडोफा सांस्कृतिक परिसर में एक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जहाँ विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को समाज में उनके योगदान के लिए बीटीआर सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। मंगलवार को, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा कोकराझाड़ में निर्धारित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। शर्मा हरिनागुड़ी में बीटीसी ईएम (कार्यकारी सदस्य) और एमसीएलए (विधानसभा परिषद के सदस्य) के लिए नवनिर्मित छात्रावासों का उद्घाटन करेंगे। कोकराझाड़ विश्वविद्यालय परिसर की आधारशिला रखेंगे और कोकराझाड़ शहर के बागानसाली में बाथौ पारंपरिक और सांस्कृतिक केंद्र में ग्वाथर बाथौ सान समारोह का आयोजन करेंगे। इसके बाद, मुख्यमंत्री शर्मा कार्यक्रम के दौरान एक जनसभा को संबोधित करेंगे। शांति समझौते की प्रगति के बारे में इंडिया टुडे एनई से बात करते हुए, समझौते के प्रमुख हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक, बीटीआर प्रमुख प्रमोद बोरो ने इसकी सफलता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समझौते ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और विकास लाया है, जो बीटीआर के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में विकास और सद्भाव की यात्रा को दर्शाते हुए शांति समझौते की उपलब्धियों का जश्न मनाना है।

गोगामुख्य में मिसिंग जनजाति के लोग जुटे आली आई लृगांग की तैयारी में

धेमाजी (हिंस)। राज्य के मिसिंग जनजाति का प्रमुख कृषि पर आधारित त्योहार आली आई लृगांग को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। खासकर धेमाजी जिले के गोगामुख में त्योहार को लेकर काफी तैयारियां की जा रही हैं। आली आई लृगांग फागुन महीने के पहले बुधवार को आयोजित किया जाएगा। लृगांग त्योहार के आयोजन में अब कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में पूरे राज्य में चारों तरफ उत्साह का माहौल है। गोगामुख के पुनसांग गांव के लोग समूहिक रूप से आली आई लृगांग आयोजित करने के लिए विस्तृत तैयारी कर रहे हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने हथियार और गोला-बारूद बरामद किया

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के पहाड़ी और घाटी जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को तलाशी अभियान में व्यापक सफलता मिल रही है। कांगपोकपी जिले के नेपाली बस्ती, वीयेटम खुलेन-खोकेन गांव रोड (न्यू कीथेलमांबी थाना क्षेत्र) से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। बरामद सामग्री में 5.56 मिमी हेकेलर एंड कोच जी3 राइफल (मैगजीन सहित), .303 स्नाइपर (संशोधित), .22 पिस्तौल (मैगजीन सहित), सिंगल बैरल राइफल, दो देसी मोर्टार, .303 की पांच जिंदा गोलियां, दो चीनी हैंड ग्रेनेड और एक मोटोरोला हैंडसेट (बाओफेंग) शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने इन अभियानों के माध्यम से क्षेत्र में शांति बहाली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

लायंस और लियो क्लब ऑफ गुवाहाटी एलीट ने एक दिन में पूरे किए 8 वैश्विक उद्देश्य

गुवाहाटी। गणतंत्र दिवस के असाधारण उत्सव के अवसर पर, लायंस और लियो क्लब ऑफ गुवाहाटी एलीट ने एक ही दिन में 8 प्रभावशाली गतिविधियां सफलतापूर्वक पूरी कीं, जिससे फाटासिल अम्बारी के न्यू जीएमसी कॉलोनी में 385 से अधिक लोगों को लाभ हुआ। यह आयोजन सुबह 9-15 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ शुरू हुआ, जो गौरव और एकता का प्रतीक था और पूरे दिन की गतिविधियों के लिए स्वर निर्धारित किया। *1 दिन, 8 वैश्विक उद्देश्य* के बैनर तले इस पहल में सामुदायिक कल्याण और युवा विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया। गतिविधियों में शामिल थे। वृक्षारोपण: पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना। आई स्क्रीनिंग शिविर (लायंस आई हॉस्पिटल द्वारा): आवश्यक नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करना। मधुमेह परीक्षण: स्वास्थ्य जागरूकता और रोकथाम को बढ़ावा देना। बच्चों को स्टेशनरी वितरण: वंचित बच्चों की शिक्षा का समर्थन करना। भोजन वितरण: समुदाय को पौष्टिक भोजन प्रदान करना। बच्चों के लिए विकास कार्यक्रम: युवा प्रतिभागियों में कौशल और आत्मविश्वास का पोषण करना। ऑन्कोलॉजिस्ट द्वारा जागरूकता संगोष्ठी: कैंसर रोकथाम और प्रारंभिक पहचान पर प्रकाश डालना। फायर सेफ्टी डेमोंस्ट्रेशन: आपातकालीन सुरक्षा उपायों की जानकारी देना। इस आयोजन में लायंस अध्यक्ष लायन सीए कुमार विक्टर साहा, लायंस सचिव लायन सीए आदर्श अग्रवाल, लियो अध्यक्ष लियो सुभाष शर्मा, लियो सचिव लियो प्रतीक दास और लियो उपाध्यक्ष लियो मेघा जालान ने सक्रिय भागीदारी की। उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने इस बहुआयामी पहल की सफलता सुनिश्चित की। इस उपलब्धि पर विचार व्यक्त करते हुए, लियो अध्यक्ष ने कहा कि एक ही दिन में 8 विविध गतिविधियों को अंजाम देना हमारे सामुदायिक सेवा के प्रति समर्पण का प्रमाण है। प्रत्येक पहल को समाज की ज्वलंत आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए डिजाइन किया गया था, और हमें इसके द्वारा उत्पन्न सकारात्मक प्रभाव देखकर खुशी हो रही है। यह परियोजना न केवल क्लब की अर्थपूर्ण बदलाव लाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि सामूहिक प्रयासों से समाज में बड़ा बदलाव किया जा सकता है। लायंस और लियो क्लब ऑफ गुवाहाटी एलीट के बारे में: लायंस और लियो क्लब ऑफ गुवाहाटी एलीट, लायंस इंटरनेशनल के तहत एक विशेष क्लब है, जो चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) छात्रों और सदस्यों के लिए डिजाइन किया गया है। यह क्लब सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देने के साथ-साथ अपने सदस्यों में नेतृत्व, कौशल विकास और आपसी भाईचारे को प्रोत्साहित करता है। ऐसी पहलों के माध्यम से क्लब समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राज्यभर में विभिन्न संगठनों ने मनाया 76वां गणतंत्र दिवस

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा ने अध्यक्ष स्नेहल बिदासरिया की अध्यक्षता में स्व. नेमीचंद कौशल्या देवी अग्रवाला फाउंडेशन के सौजन्य से उनके पुत्र राकेश अग्रवाला के साथ मिलकर 76 वां गणतंत्र दिवस फैंसी बाजार स्थित बोटैनिकल गार्डन में मनाया। जिसमे कल्याण आश्रम के प्रेमचंद खजांची और शाखा के वरिष्ठ सदस्यों ने मिलकर तिरंगा ध्वज फहराया। कार्यक्रम तदुपरांत शाखा द्वारा सभी सदस्य तिरंगे परिधान में हाथों में तिरंगा और सलोगन लेकर भव्य रैली निकाली। जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया वंदे मातरम के नारों के साथ रैली केदार रोड, जेल रोड होते हुए फैंसी बाजार के चौक पर समाप्त हुई। संयोजिका उपाध्यक्ष रजनी पगारिया और ममता सेठी थी। कार्यक्रम में मण्डलीय उपाध्यक्ष मितेश सुराणा, सचिव अनुसूया शर्मा, कोषाध्यका खुसबू मोर, पूर्व अध्यक्ष व सलाहकार मीना पोद्दार, सह सचिव मीना जैन, जन संपर्क सचिव अरुणा अग्रवाल, वर्षा पारिक, नेहा जैन, बबिता अग्रवाल, सीमा शर्मा, जया पारीक, किरण अग्रवाल, उषा अग्रवाल, निष्ठा पोद्दार, मेनका जैन चान्दनी वैद, नम्रता सुराणा, नमिता दुधेड़िया, उपस्थित थी। **हमारी संवाददाता के अनुसार** जू-नारंगी रोड स्थित बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल कैंप) के जवानों के साथ गुवाहाटी महिला समिति ने गणतंत्र दिवस मनाया। बीएसएफ के कमांडेंट श्री आलोक पटेल जी द्वारा झंडा फहराने व स्वागत भाषण प्रस्तुत करने के पश्चात महिला समिति की अध्यक्ष वंदना बगड़िया ने अपने संबोधन में एकल अभियान की जानकारी दी। बीएसएफ के जवान एकल विद्यालय के बारे में बहुत उत्सुकता पूर्वक, एकाग्रता के साथ जानकारी ले रहे थे और एकल के कार्यों को जान कर बहुत प्रभावित हुए। जब उन्हें एकल के कार्यकर्ताओं के बारे में बताया कि कैसे वे अपने परिवार से, घर से दूर रह कर एकल के उद्देश्य की पूर्ति करने हेतु जी जान से कार्यरत है तो उन्होंने कहा कि उनके सैनिकों की तरह ही यह संगठन भी कार्य कर रही है और एकल की खूब प्रशंसा की। एकल अभियान के सेवावृतियों (एकल के क्रांतिकारी वीर) का स्नेह सम्मान कर उनके साथ अल्पाहार कर गणतंत्र दिवस मनाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति की अध्यक्ष वंदना बगड़िया, सचिव किरण खेतान, चंदा अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, संगीता राशिवासिय के साथ सुलोचना खेतावत का योगदान रहा। **हमारे संवाददाता के अनुसार** 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर जेसीआई बरपेटारोड के सदस्यों ने अपने गोद लिए गए स्कूल, मधुलीझाड़ दक्षिण माचुआगांव एलपी स्कूल, बरपेटारोड में बच्चों, शिक्षकों और प्रधानाध्यापक के साथ यह विशेष दिन हर्षोल्लास से मनाया। इस गरिमामय अवसर पर तिरंगा झंडा फहराने का सौभाग्य जेसीआई बारपेटारोड की पूर्व अध्यक्षा जेसी ममता बांठिया को प्राप्त हुआ। उनके साथ जेसी आशा सराफ (कोषाध्यक्ष), जेसी अतुल तुलस्यान और अन्य जेसी सदस्य उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय कार्यक्रम संयोजक जेसी मधु सुलतानिया को जाता है, जो जेसीआई बरपेटारोड की नई सदस्य हैं। उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के बीच खाद्य सामग्री और स्टेशनरी का वितरण किया गया, जिससे बच्चों के चेहरों पर खुशियों की मुस्कान देखने को मिली। इसके अलावा, बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का नेतृत्व ममता बांठिया, (जीवन विज्ञान प्रशिक्षक) ने किया। इस सत्र ने बच्चों को शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक और भावात्मक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराया। जेसीआई बरपेटारोड के इस प्रयास ने न केवल बच्चों में राष्ट्रीय पर्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मकता और स्वास्थ्य की भावना को भी प्रोत्साहित किया। जेसीआई बरपेटारोड का यह सामाजिक योगदान शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक मजबूत प्रेरणादायक कदम है। इसकी जानकारी सचिव जेसी आयुशी केडिया द्वारा दी गई। **भारतीय उद्यमिता संस्थान की ओर से** भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई), कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार के तहत स्वायत्त संगठन ने गुवाहाटी में इसके परिसर में देशभक्ति के साथ भारत के संविधान के प्रति सम्मान दर्शाते हुए बड़े उत्साह से देश के 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। श्री एएसएस देवान, निदेशक (प्रभारी) ने आईआईई के कर्मचारी और उनके परिवार द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रगान के बीच राष्ट्रीय ध्वज फहराया। श्री देवान ने अपने भाषण में कर्मचारियों को धन्यवाद दिया तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान और उद्यमिता संवर्धन के क्षेत्र में उनके कार्य और अच्छाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। संस्थान में उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए प्रभारी निदेशक ने भारत के संविधान के निर्माता, महान नेता और स्वतंत्रता सेनानी को गौरवपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कर्मचारियों के बच्चों के बीच एक चित्रांकन प्रतियोगिताका भी आयोजन किया गया। **हमारे संवाददाता के अनुसार** समूचे राष्ट्र के साथ होजाई जिला मुख्य कार्यालय श्रीमंत शंकरदेवनगर के कछारी मैदान में भी 76 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। जिला आयुक्त विद्युत विकास भगवती ने झंडोत्तोलन किया एवं असम पुलिस, एनसीसी कैडर, विभिन्न विद्यालयों व महाविद्यालयों ने फ्लैग मार्च कर महकमाधिपति को सलामी दी। इसके बाद जिला आयुक्त ने शहीदों का स्मरण कर जिले में चल रहे विकास योजनाओं से उपस्थित लोगों को अवगत कराया। समारोह में विभिन्न जनगोष्ठियों, स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसका उपस्थित लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सौरभ गुप्ता, सहित सभी विभागों के अधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि गण उपस्थित थे। वहीं, मारवाड़ी युवा मंच की होजाई शाखा ने भी गणतंत्र दिवस का पालन किया व स्थानीय सिविल अस्पताल, हम अस्पताल और ग्लोबल अस्पताल में रोगियों के बीच फल का वितरण किया। वहीं, होजाई के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों व रविंद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय, दफ्तरों, सामाजिक संगठनों द्वारा गणतंत्र दिवस का पालन धूमधाम के साथ किया गया। **हमारे संवाददाता के अनुसार** देश के विभिन्न स्थानों के साथ साथ सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनीं, रंगिया ने भी देश का 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर वाहिनीं के कमांडेंट दीपक सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कार्यक्रम के दौरान कमांडेंट दीपक सिंह ने सभी बल कर्मियों को महानिदेशक के गणतंत्र दिवस के बधाई संदेश को पढ़कर सुनाया और सभी कार्मिको को बधाई दी। उन्होंने अपने अभिभाषण में वाहिनीं द्वारा किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यकमों के बारे में व्याख्या की। उन्होंने कहा कि 24वीं वाहिनी अपने कार्यक्षेत्र में अवैध गतिविधियों को रोकने एवं उन पर अंकुश लगाने में सदैव प्रायसरत है। वाहिनी द्वारा 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर रंगिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान प्रांगण में विधार्थियों व नागरिकों के लिए हथियारों की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने आए विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों को हथियारों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही साथ वाहिनी द्वारा क्रमश: आमिनगांव और खानापाड़ा में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लिया। इसके अतिरिक्त 24वीं वाहिनी रंगिया के स्वान दस्ता द्वारा अपने कला कौशल के प्रदर्शन हेतु तामुलपुर परेड में भाग लिया।

संपादकीय

लाउडस्पीकर पर रोक

कोर्ट की सख्ती के बावजूद विभिन्न धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल बंद नहीं हुआ। दिनभर के थके-हरे लोग जब घर में आराम करते हैं तो लाउडस्पीकरों की तीव्र ध्वनि उनकी शांति में खलल डालती है। डॉक्टर भी कहते हैं कि नींद में किसी भी तरह का व्यवधान व्यक्ति के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। फिर जो लोग पहले से बीमार होते हैं, उनके लिये तो तेज शोर असहनीय होता है। लेकिन वर्तमान ध्रुवीकृत समाज में लाउडस्पीकरों का बेलगाम शोर प्रतिष्ठा का मुद्दा बन जाता है। लोग परेशान होने पर भी शिकायत नहीं करते। उन्हें डर होता है कि धार्मिक समूह उन्हें निशाना बना सकते हैं। विडंबना यह है कि नियामक एजेंसियां भी स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं करती। इस बाबत दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार शोर-शराबे पर काबू करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने पुलिस से कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के शोर को मापने के लिए ऐप का प्रयोग करे ताकि नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। उन पर जुर्माना लगे। फिर भी उल्लंघन होने पर प्रबंधकों व संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। यहां तक कि कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की सुरक्षा के मद्देनजर उसकी पहचान गोपनीय रखी जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के भीतर ऐसा सिस्टम लगे, जो उसकी ध्वनि के स्तर को स्वतः नियंत्रित करे। न्यायाधीशों की दो सदस्यीय बेंच ने माना कि निर्धारित मानक से अधिक शोर सेहत पर प्रतिकूल असर डालता है। अतः कोई व्यक्ति इसके इस्तेमाल को अपना अधिकार नहीं बता सकता। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक स्थलों से होने वाले शोर पर नियंत्रण के लिये ठोस प्रयास करे। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों तथा जनसमूह को संबोधित करने वाले सिस्टम की शोर सीमा को नियंत्रित करे। नियामक एजेंसियां निगरानी व शोर नापने के लिये ऐप प्रयोग करे। नियमानुसार दिन में ध्वनि का स्तर 55 तथा रात में 45 डेसिबल से अधिक नहीं हो। दरअसल, मुंबई में कुर्ला क्षेत्र में एक धार्मिक स्थल से निर्धारित मानकों से अधिक स्तर का ध्वनि प्रदूषण रोकने में पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ यह याचिका दायर की गई थी। वास्तव में लोग तभी शिकायत करते हैं जब ध्वनि का स्तर सहने की सीमा पार कर जाता है। अदालत ने शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रख कर कार्रवाई करने को कहा ताकि उसे सांप्रदायिक आधार पर निशाना न बनाया जा सके। यदि जुर्माना लगाने के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो पुलिस धार्मिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर को जब्त करे। फिर उसके लाइसेंस को रद्द करने की कार्रवाई करे। साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियंत्रक नियमों तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हो। कोर्ट माना कि कठोर कानून के अभाव में लाउडस्पीकरों के उपयोगकर्ता नियम-कानून को नजरअंदाज करने लगते हैं। नियामक एजेंसियों की निष्क्रियता पर चिंता जताते हुए अदालत का कहना था कि लोग ध्वनि प्रदूषण को लेकर संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति व धार्मिक आजादी का तर्क देते हैं, लेकिन इस पर रोक लगाना किसी भी स्थिति मे मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण नहीं है। अतः ध्वनि की कर्कशता पर अंकुश लगाकर लोगों को राहत दी जानी चाहिए। दरअसल, पुलिस ऐसे मामलों में इसलिए भी उदासीन रहती है कि कहीं उन पर धार्मिक भावनाएं आहत होने का आक्षेप न लगा दिया जाए। कमोबेश यह स्थिति पूरे देश में और विगत में आए अदालत के फैसले की भी अनदेखी की जाती रही है। कई बार तो प्रशासन की अनुमति के बिना सार्वजनिक कार्यक्रमों का लाउडस्पीकरों से संबोधन बदस्तूर जारी रहता है। लोग इसलिये भी शिकायत नहीं करते हैं ताकि कोई टकराव न हो। धर्म विशेष के लोग उनके घरों के आसपास ही रहते हैं। ऐसे में उन्हें हिंसा की आशंका रहती है। निस्संदेह, नियंत्रण के लिए ढाई दशक पहले बनाये गए ध्वनि प्रदूषण विनियमन व नियंत्रण नियमों को बदलते वक्त के साथ प्रभावी बनाने की जरूरत है।

> कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने पुलिस से कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के शोर को मापने के लिए ऐप का प्रयोग करे ताकि नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। उन पर जुर्माना लगे। फिर भी उल्लंघन होने पर प्रबंधकों व संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। यहां तक कि कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की सुरक्षा के मद्देनजर उसकी पहचान गोपनीय रखी जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के भीतर ऐसा सिस्टम लगे, जो उसकी ध्वनि के स्तर को स्वतः नियंत्रित करे। न्यायाधीशों की दो सदस्यीय बेंच ने माना कि निर्धारित मानक से अधिक शोर सेहत पर प्रतिकूल असर डालता है।

संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे

मुख्यमंत्री सिद्घारमैया पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर कांग्रेस चुप क्यों

योगेंद्र योगी

> राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे में इतना साहस भी नहीं हो सका कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद से हटाना तो दूर बल्कि कारण बताओ नोटिस तक जारी कर सकें। दरअसल कांग्रेस को अंदाजा है कि यदि सिद्धारमैया से कुछ भी पूछा गया तो विद्रोह की नौबत आ जाएगी। ऐसे में कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखना ही सही समझा। कांग्रेस को शायद यह बात समझ में नहीं आई कि उसकी चुप्पी ही उसे अपराधी बना रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल पीएम मोदी की तरह झूठे वादे करते हैं। केजरीवाल ने कहा था कि भ्रष्टाचार मिटाएंगे लेकिन क्या दिल्ली में भ्रष्टाचार हटा क्या? अडानी पर भी केजरीवाल कुछ भी नहीं बोलते हैं। राहुल गांधी ने जब केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए उसी समय कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने (ईडी) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले के संबंध में 300 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाली 142 अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया। ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत इन संपत्तियों को जब्त किया। ईडी के अनुसार, ये संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। ईडी ने लोकायुक्त पुलिस मैसूर द्वारा भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की थी।

आतंरिक तौर पर देखें तो राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे में इतना साहस भी नहीं हो सका कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद से हटाना तो दूर बल्कि कारण बताओ नोटिस तक जारी कर सकें। दरअसल कांग्रेस को अंदाजा है कि यदि सिद्धारमैया से कुछ भी पूछा गया तो विद्रोह की नौबत आ जाएगी। ऐसे में कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखना ही सही समझा। कांग्रेस को शायद यह बात समझ में नहीं आई कि उसकी चुप्पी ही उसे अपराधी बना रही है। यही वजह है कि भाजपा ने विगत चुनावों में भ्रष्टाचार के मुद्दों पर कांग्रेस की बखिया उधडने में कोई कसर बाकी नहीं रखी।

दरअसल कमजोर होती कांग्रेस में इतने क्षत्रप पनप गए हैं कि पार्टी चाह कर भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। ऐसे में भ्रष्टाचार हो या पार्टी विरोधी गतिविधियां, कांग्रेस खिसकते जनाधार के कारण यह जहर पीने को मजबूर हो

गई है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इसका उदाहरण हैं। सरेआम पार्टी के निर्णयों की उपेक्षा करने के बावजूद कांग्रेस गहलोत के खिलाफ कोई कार्ररवाई नहीं कर सकी। इसी तरह सचिन पायलट भी पार्टी खुल कर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे, किन्तु कांग्रेस उनकी तरफ से भी आंखे फेरे रही है। गहलोत और पायलट के अंदरूनी सता संघर्ष का ही नतीजा रहा कि कमजोर कांग्रेस राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकी और करारी शिकस्त खाने को मजबूर हुई।

कांग्रेस में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरने वाले सिद्धारमैया अकेले नेता नहीं हैं। पार्टी में नीचे से लेकर शीर्ष तक नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वालीं कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी कई भाषणों में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के जमानत पर बाहर होने पर चुटकी भी लेते रहे हैं। संसद के सत्र के दौरान जब कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने कहा था कि भ्रष्टाचार के मामले हैं तो गिरफ्तार क्यों नहीं करते, तब पीएम मोदी ने हंसते हुए कहा था- जमानत पर हैं तो एन्जॉय करिए। इसी तरह कांग्रेस मौके-बेमौके ऐसे मुद्दें पर उपहास का पात्र बनती रही है।

भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर रहे हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती है। नेशनल हेराल्ड केस-2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी का आरोप है कि यह सब कुछ दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित हेराल्ड हाउस की 16 सौ करोड़ रुपये की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया।

वर्ष 2013 में अगस्ता वेस्टलैंड वीआइपी हेलीकॉप्टर खरीद घोटाला में सीबीआई और दूसरी केंद्रीय एजेंसियां अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। राजस्थान में एंबुलेस घोटाला में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट भी आरोपी हैं। ये मामला 2010 से लेकर 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का है। ईडी अब तक 12 करोड़ की संपत्तियां आरोपियों से जब्त कर चुकी है।

कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबर्दस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफ भी केंद्रीय एजेंसियों ने छापेमारी की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी।

आश्चर्य यह नहीं है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं, बल्कि लगाने वाले ने अपनी पार्टी की गिरेबां में झांक कर नहीं देखा। आकंठ तक भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी कांग्रेस के मुंह से भ्रष्टाचार शब्द भी अब बेजान हो गया है। कांग्रेस का इतिहास और वर्तमान भ्रष्टाचार के काले कारनामों से रंगा हुआ है। कांग्रेस यदि आज देश में लगातार सिमटती जा रही है तो उसका प्रमुख कारण भ्रष्टाचार में लिप्त होना है। भाजपा के बाद देश की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस अपने दामन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर दोमुंही बातें करती रही है। यह निश्चित है कि जब तक कांग्रेस भ्रष्टाचार को लेकर कथनी और करनी के फर्क को नहीं मिटाती तब तक देश के मतदाताओं का पूरा भरोसा नहीं जीत सकती।

दृष्टि कोण

जागरूकता के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी

लोकतंत्र का आधार मतदान है और युवा इस आधार को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस दिन का उद्देश्य नागरिकों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना और मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करना है। हमारे देश में युवा आबादी काफी बड़ी है। ऐसे में युवाओं को मतदान के महत्व के बारे में जागरूक करना अत्यंत जरूरी है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस युवाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह उन्हें लोकतंत्र में भागीदार बनने, समाज में सक्रिय भूमिका निभाने और देश के विकास में योगदान देने का मौका देता है।

इस वर्ष के राष्ट्रीय मतदाता दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि यह लोकतंत्र के 75 वर्ष पूरे होने के वर्ष में मनाया जा रहा है। भारत में यह दिन हर साल 25 जनवरी को मनाया जाता है, जो भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना का दिवस भी है। 25 जनवरी, 2025 को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय मतदाता दिवस देश के हर नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।

लोकतंत्र की सफलता का आधार स्वतंत्र, निष्पक्ष और सक्रिय मतदान है। जब अधिक से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तभी एक सच्चा लोकतंत्र फल-फूल सकता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मतदान के महत्व, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया, दिव्यांगजन सहित सभी वर्गों के लिए मतदान की सुविधाओं आदि के बारे में जानकारी दी जाती है। इस दिन युवाओं को विशेष रूप से संबोधित किया जाता है और उन्हें मतदान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है।

मतदान एक कानूनी अधिकार है, और यह हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। भारत में, मतदान से संबंधित सभी गतिविधियों को चुनाव आयोग द्वारा नियंत्रित किया जाता है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है जो निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार है। भारत में 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त होता है। सभी योग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज होते हैं। मतदान एक गुप्त प्रक्रिया है। कोई भी यह नहीं जान सकता कि आपने किस उम्मीदवार को वोट दिया है।

शिक्षक छात्रों को लोकतंत्र के मूल्यों, मतदान का महत्व बताने के साथ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बना सकते हैं। शिक्षक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में वाद-विवाद, निबंध लेखन प्रतियोगिताएं, नाटक, पोस्टर प्रदर्शन आदि आयोजित कर सकते हैं। छात्रों के बीच मॉक पोल का आयोजन कर उन्हें वास्तविक मतदान प्रक्रिया से परिचित कराया जा सकता है। विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जा सकता है, जिसमें छात्रों को मतदान के महत्व और चुनौतियों के बारे में जानकारी दी जाए। शिक्षक चुनाव आयोग के साथ मिलकर छात्रों को मतदाता पहचान पत्र बनवाने में मदद कर सकते हैं। इससे छात्र अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग करेंगे और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में योगदान देंगे।

युवाओं को यह समझाना होगा कि लोकतंत्र एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें हर नागरिक के पास अपनी सरकार चुनने का अधिकार होता है। मतदान इसी अधिकार का प्रयोग करने का एक तरीका है। युवाओं को यह बताना चाहिए कि वे अपने मतदान के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। वे ऐसे नेताओं को चुन सकते हैं जो उनके मुद्दों को समझें और उनके लिए काम करें। उन्हें ऐसे नेताओं को चुनना चाहिए जो देश के विकास के लिए प्रतिबद्ध हों। युवाओं को यह समझाना होगा कि मतदान एक जिम्मेदारी भी है। उन्हें अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना चाहिए और मतदान करके इसे निभाना चाहिए।

कुछ अलग

ट्रंप का अमेरिका

डोनाल्ड ट्रंप ने विधिवत रूप से अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। अमेरिकी इतिहास में वे दूसरे ऐसे राष्ट्रपति बन गये हैं, जिन्होंने अलग-अलग समय में दो कार्यकाल के लिए चुने जाने का गौरव प्राप्त किया। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप की वापसी वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण आर्थिक और भू-राजनीतिक प्रभाव डालने वाली है। उन्होंने आते ही कई महत्वपूर्ण निर्णय लेना शुरू कर दिया है। अमेरिका की आंतरिक राजनीति से प्रभावित निर्णयों के अलावा अन्य बड़े निर्णय भी इनमें शामिल हैं। जैसे- उन्होंने अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए कठोर निर्णय ले लिया है, ट्रांसजेंडर व्यवस्था खत्म कर दी और ड्रग माफिया को आतंकी की श्रेणी में डालने का निर्णय, इस प्रकार के कई निर्णय उन्होंने कार्यभार ग्रहण करते ही ले लिए हैं। ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन के 78 निर्णयों को पलट दिया है। कैपिटल हिंसा के 1600 आरोपियों के प्रकरण वापस लेने का निर्णय भी लिया है। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वह पहले अमेरिकी हितों की चिंता करेंगे। यानी वैश्विक राजनीति में अमेरिका अब अपने हितों के संरक्षण पर जोर देगा। इसी संदर्भ में देखना होगा कि उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका के बाहर होने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। कोरोना महामारी के समय से ट्रंप विश्व स्वास्थ्य संगठन के विरोध में रहे हैं। बहरहाल, भारत के लिए महत्वपूर्ण सवाल यह है कि ट्रंप की नीतियों के कारण अब अमेरिका-भारत के संबंध किस प्रकार के रहेंगे। वैश्विक राजनीति के विश्लेषक मान रहे हैं कि ट्रंप का राज भारत के लिए अवसरों और चुनौतियों का मिश्रण प्रस्तुत करता है। ट्रंप की व्यापार, रक्षा और विदेशी संबंधों की नीतियां- विशेष रूप से दक्षिण एशिया और हिंद-प्रशांत में- अमेरिका-भारत संबंधों की भविष्य की दिशा को आकार देंगी। पहले की प्रशासनिक नीतियों की तरह, चीन को लेकर साझा चिंताओं और क्षेत्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक स्थिरता में बढ़ती रुचि के कारण दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंध ट्रंप के कार्यकाल में और गहरे होने की संभावना है। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी में विशेष रूप से रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में निरंतर वृद्धि की संभावना है। चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर साझा चिंता दोनों देशों के लिए एक मजबूत एकीकृत कारक बनी हुई है। ट्रंप का क्वाड को मजबूत करने पर जोर भारत के हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के साथ मेल खाता है। भारत को संयुक्त सैन्य अभ्यास, रक्षा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और खुफिया जानकारी साझा करने में अमेरिका से और अधिक समर्थन मिलने की उम्मीद है, जो भारत की क्षेत्रीय सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ायेगा। ट्रंप की 'शक्ति के माध्यम से शांति' की नीति हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक अधिक मुखर अमेरिकी रुख में परिवर्तित हो सकती है, जो भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं के साथ मेल खाती है। इसके अलावा, पश्चिम एशिया में भी सहयोग बढ़ने की संभावना है, खासकर ऐसे समय में जब भारत-मध्य एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे जैसी पहलें चर्चा में हैं और इस्राइल-सऊदी अरब के संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास जारी हैं। अभी तक प्राप्त संकेतों के आधार पर कहा जा सकता है कि डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से अमेरिका-भारत संबंधों को नया आयाम मिल सकता है।

देश दुनीया से

रूस-चीन संबंधों की नई इबारत लिखते ट्रंप

वर्ष 2024 के अंत में अपनी सालाना पत्रकार वार्ता में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की : 'मैं कहूंगा कि स्थिति नाटकीय रूप से बदल रही है'। उन्होंने आगे कहा : 'हर दिन समूचे अग्रिम मोर्चे पर हलचल हो रही है'। पुतिन के बारे में माना जाता है कि वे अपने शब्दों का चयन बहुत सावधानी से करते हैं। अब यह स्पष्ट है कि यह केवल कुछ वक्त की बात है जब रूस यूक्रेन को शेष बचे रूसी क्षेत्र से खदेड़ कर, अपने इलाकाई उद्देश्यों की प्राप्ति कर लेगा, जिस पर जल्द से जल्द पुनः नियंत्रण बनाने को अब वह बेताब है। यह दक्षिण तटों सहित वह इलाका है जिस पर रूस का नियंत्रण ऐतिहासिक रूप से रहा था। अब ऐसा लग रहा है कि यूक्रेन को उस क्षेत्र से बेदखल होना पड़ेगा, जिस पर लड़ाई शुरू होने से पहले उसका नियंत्रण था। फिलहाल, रूस वह इलाका दुबारा पाने की कोशिश में लगा है, जो युद्ध शुरू होने के बाद हाथ से निकल गया था।

साथ ही, इसमें कोई संदेह नहीं है कि यहां मामला युवा और अनुभवहीन यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की का भी है, जिन्हें बाइडेन प्रशासन और उसके नाटो सहयोगियों ने अपने दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र पर नियंत्रण बढ़ाने के लिए उकसाया था। अब यह स्पष्ट है कि बाइडेन प्रशासन के विपरीत, ट्रम्प की सरकार पुतिन के सैनिकों से निबटने के लिए यूक्रेन के सैन्य अभियानों में उनका साथ नहीं देने वाली। इस सारी प्रक्रिया में, ऐसा लगता है कि अमेरिका यह भूल गया कि रूसियों का एक मुख्य उद्देश्य ऐतिहासिक रूप से 'गर्म पानी' वाले तटों पर अपना नियंत्रण और निर्बाध पहुंच बनाए रखना है। साफ है जो बाइडेन ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि रूस के लिए वे अपने पूर्व में मौजूद इलाके कितने महत्वपूर्ण हैं, जिनपर कभी उसका नियंत्रण रहा था और जिससे होकर समुद्र तक उसकी पहुंच साल भर बनी रहती है, विशेषकर वर्तमान में यूक्रेन के तटों वाला।

ट्रम्प के आगमन के साथ देखा जा रहा सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह होगा कि इन मुद्दों को हल करने के लिए एक गंभीर प्रयास चल निकलेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो पाए कि समुद्र तक रूस की पहुंच पूर्णतः सुरक्षित रह सके। इसके अलावा, ऐसे संकेत हैं कि पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में भी इलाका कब्जाने में रूसी सावधानीपूर्वक लगे हुए हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रम्प रूस के क्षेत्रीय दावों पर यूरोपीय मुल्कों की चिंताओं से जानबूझकर अनजान बने प्रतीत होते हैं। उन्होंने पुतिन के क्षेत्रीय दावों का जिक्र इस प्रकार किया है : 'क्या दिमाग है। पुतिन यूक्रेन के एक बड़े हिस्से को आजाद घोषित कर रहे हैं। यह अद्भुत है' ! यह हैरानी जनक है क्योंकि कोई यह उम्मीद नहीं कर सकता था कि अमेरिका इस प्रकार से रूस के क्षेत्रीय दावों का समर्थन करेगा! राष्ट्रपति ट्रम्प के राज में अमेरिका-चीन संबंधों के बारे में, ऐसे वक्त पर जब भारत चीन के साथ अपनी सीमाओं पर तनाव को खत्म करने के प्रयास करने में लगा है, चीन के साथ ट्रम्प के संबंधों में कोई गंभीर सफलता मिलने की संभावना कम ही है। ट्रम्प ने चीन की नीतियों के साथ अपने मतभेद व्यक्त करने में कभी संकोच नहीं किया है। इसकी पुष्टि सीनेटर

मार्को रुबियो को अपना विदेश मंत्री और सांसद माइक वाल्ट्ज को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त करने से होती है। रुबियो और वाल्ट्ज, दोनों को, वाशिंगटन में 'कट्टर चीन विरोधी' के रूप में जाना जाता है। चीन ने साल 2020 में रुबियो को अपने यहां प्रवेश देने से दो बार रोका था। किसी को हैरानी हो सकती है कि क्या यह प्रतिबंध आगे भी लागू रहेगा। ट्रम्प द्वारा इन दोनों की नियुक्ति का चीन जरा भी स्वागत नहीं करेगा। फिर भी, ट्रम्प के एक अन्य सहयोगी, अरबोंपति एलन मस्क के चीन में बड़े वाणिज्यिक हित हैं, जिनका मूल्य अरबों डॉलर में है। ट्रम्प स्पष्ट रूप से चीनियों को लेकर अपने इरादों के बारे में अनिश्चितता से भरे हुए हैं। ब्यानबाजी के बावजूद, यह भी साफ है कि ट्रंप चीन के साथ अपने विकल्प खुले रखेंगे। हाल-फिलहाल राष्ट्रपति ट्रंप को चीन को उसकी जगह पर रखने के लिए, भारत को संतुलन के तौर पर इस्तेमाल करना चाहेंगे। बदले में भारत को अभी भी अमेरिका की जरूरत है। उच्च तकनीक, रक्षा उत्पादन और अंतरिक्ष से लेकर सुरक्षा आदान-प्रदान और आर्थिक सहयोग के अन्य क्षेत्रों में सहयोग की। यह ऐसे वक्त में हो रहा है जब अमेरिका में बसे उच्च शिक्षित भारतीयों की आबादी बढ़ रही है, जोकि वर्तमान में लगभग 51 लाख है।

हालांकि, अमेरिका-चीन संबंध कठिन दौर से गुजर रहे हैं, जो दोनों शक्तियों के नेताओं के बीच काफी आपसी अविश्वास और नापसंदगी से पैदा हुआ है। विश्वास और सहयोग की बहाली में समय लगेगा, खासकर जब ट्रम्प के ब्यानबाजी के लहजे ने 'मध्य साम्राज्य' (कभी चीनी खुद को धरती का धुरा मानते थे) के लोगों को चौंका दिया होगा। लेकिन, चीनियों के साथ मतभेदों को दूर करने के लिए ट्रंप के पास एलन मस्क के साथ उनके बढ़िया रिश्ते का उपयोग करने वाला पत्ता सदा हाथ में रहेगा, क्योंकि 'मध्य साम्राज्य' के साथ मस्क के संबंध काफी प्रगाढ़ और निहित स्वार्थ से जुड़े हैं। पहले से ही, ऐसी अटकलें हैं कि चीन अमेरिका में टिकटॉक के कारोबार का मस्क द्वारा अधिग्रहण किए जाने को मंजूरी देने की सोच रहा है। जो भारतीय मस्क के साथ सौदा करने का अवसर ढूंढ़ रहे हैं, उन्हें यह ध्यान में रखना चाहिए। एक और महत्वपूर्ण कारक जिसे किसी को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए, वह यह है कि ट्रम्प के राष्ट्रपति पुतिन के साथ संबंध बहुत बढ़िया हैं और दुनिया भर के देश इसे स्पष्ट रूप से समझते हैं। इन घटनाक्रमों से सबसे ज़्यादा प्रभावित होने वाले व्यक्ति हैं, यूक्रेन के घिरे बैठे राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की। वे यह मानकर गंभीर रूप से गलत अनुमान लगा बैठे कि जो बाइडेन के नेतृत्व वाले अमेरिका का समर्थन पाकर वे पुतिन के रूस के साथ इलाकाई विवाद में भिड़ने के काबिल हो गए हैं। दुख की बात है कि बाइडेन के उत्तराधिकारी डोनाल्ड ट्रम्प ज़ेलेंस्की का साथ देने के मूड में नहीं हैं।

ट्रम्प के हाथ में समझौता करवाने का जो औजार है, वह है अमेरिका के नेतृत्व में रूस पर लगाए गए दंडात्मक प्रतिबंधों की श्रृंखला। निवर्तमान बाइडेन प्रशासन के अंतिम कार्यों में से एक था रूस के ऊर्जा क्षेत्र को लक्षित करते हुए एक व्यापक प्रतिबंध निजाम लागू करना, जो 10 जनवरी, 2025 से प्रभावी हुआ है।

आप का नजरीया

बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजा जाए

फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के कारण देश में बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर बहस तेज हो गई है। हालांकि, सैफ अली खान पर हमले की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हाय-तौबा मचाने और मोदी सरकार को घेरनेवाले लोग हमलावर शरीफुल इस्लाम शहजाद की गिरफ्तारी के बाद से एकदम चुप्पी साध गए हैं। उनकी चुप्पी का कारण है- आरोपी का मुस्लिम और बांग्लादेशी घुसपैठिया होना। सोचिए, यदि हमलावर कोई हिन्दू होता, तब ये तथाकथित सेकुलर बिरादरी के लोग किस प्रकार सरकार को घेरते। हमले के बाद उन्होंने यह नैरेटिव बनाने का प्रयास किया ही कि देश में मुसलमानों के खिलाफ नकारात्मक वातावरण बना दिया गया है, जिसके कारण सैफ अली खान पर हमला हुआ। इसमें भी 'तैमूर प्रकरण' को विशेष रूप से जोड़ा जा रहा था। लेकिन जैसे ही सामने आया कि सैफ अली खान पर हमला करनेवाला कोई हिन्दू नहीं अपितु मुस्लिम ही है, तब से हाय-तौबा मचानेवाले समूह में खामोशी पसर गई है। इस प्रकरण से यह भी स्पष्ट होता है कि घटनाओं को सांप्रदायिक रंग देने में तथाकथित सेकुलर समूह सबसे आगे रहता है। बहरहाल, देश के आम नागरिक को यह बात तो ध्यान आ गई कि बांग्लादेश से होनेवाली अवैध घुसपैठ एक गंभीर संकट है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय विचार के संगठन लंबे समय से इस बात की ओर संकेत करते आ रहे हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठिए देश की शांति एवं सुरक्षा के लिए चुनौती बनने लगे हैं। चिंताजनक बात यह है कि बांग्लादेश से आनेवाले ये अवैध घुसपैठिए अपनी धार्मिक एवं वास्तिवक पहचान छिपाकर यहाँ-वहाँ फैल गए हैं। आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद भी बिजॉय दास नाम से मुंबई में रह रहा था। कुछ दिन पहले मुंबई से ही एक बांग्लादेशी महिला कुलसुम शेख को भी पुलिस ने पकड़ा था, जो 2016 से मोहिनी के नाम से यहाँ रह रही थी। ऐसे ही कई बांग्लादेशी बेंगलुरु, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक और देश के कई राज्यों से पकड़े जा चुके हैं, जिन्होंने भारत में हिंदू नामों के पीछे खुद को छिपा रखा था। दिल्ली में आए दिन बांग्लादेशियों के पकड़े जाते हैं। देश के कई हिस्से ऐसे हैं, जहां अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण इलाके की डेमोग्राफी बदल गई है। आपराधिक वारदात में भी बांग्लादेशी और रोहिंग्या की शामिल होने के समाचार आते रहते हैं। अलग-अलग रिपोर्टस के अनुसार, जम्मू-कश्मीर से कन्याकुमारी के बीच देश के लगभग 17 राज्यों में लगभग दो करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। इस बारे में पहला आधिकारिक आंकड़ा संसद में 2007 में आया था। तब तत्कालीन गृह राज्य मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने बताया था कि भारत में 1.2 करोड़ अवैध बांग्लादेशी हैं। फिर दूसरी बार इस पर सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर जोगिंदर सिंह ने 2014 में एक आंकड़ा रखा। तब उन्होंने अनुमान लगाया था कि देश में करीब पांच करोड़ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। केन्द्र सरकार को चाहिए कि संकल्प लेकर एक बार समूचे देश में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कराए और उन्हें वापस भेजे।

दिल्ली की जनता को गुमराह कर रहे अरविंद केजरीवाल : देवेंद्र चतरभुज अत्री

जींद (हिंस)। दिल्ली के पूर्व सीएम आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर उचाना विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने सोमवार को निशाना साधते हुए उन्हें सबसे झूठा व्यक्ति बताया। बीते दिनों आम आदमी पार्टी द्वारा पोस्टर जारी कर पीएम नरेंद्र मोदी को झूठा बताया गया था। दिल्ली में भाजपा की जीत का दावा करते हुए विधायक ने कहा कि दिल्ली की जनता किसी के बहकावे में नहीं आएगी। भाजपा दिल्ली में इस बार प्रचंड बहुत से सत्ता में आएगी। नंदीशाला को लेकर विधायक ने कहा कि वो हर साल सरकार की तरफ से नंदीशाला को ग्रांट दिलवाएंगे। विधायक ने कहा कि गाय हमारे लिए माता के बराबर है। नंदीशाला की कमेटी ने बताया कि नंदीशाला के साथ पहले भेदभाव होता रहा है। अब भेदभाव नहीं होगा। हर

साल जो विधायक का कोटा होता है उससे सेवा करूंगा। जो व्यक्तिगत हो पाएगी उससे भी मदद करूंगा। गाय हमारी माता है जिसकी हम पूजा करते है। हमारे पीएम, सीएम का एक ही उद्देश्य है कि पक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को लाभ मिले। गौशालाओं के लिए हर साल बजट सरकार देती है। हमारा परिवार शुरू से ही गायों की सेवा करते है। गाय की सेवा हमारे खून में है। दिल्ली चुनाव में भाजपा की जीत को लेकर हम शतप्रतिशत आश्वस्त है। दिल्ली की जनता किसी के बहाकवे में नहीं आएगी। भाजपा की सरकार दिल्ली में बनने जा रही है। आप द्वारा पोस्टर जारी कर पीएम को झूठा बताए जाने पर विधायक ने कहा कि हर व्यक्ति जानता है कि झूठा कौन है। जो पीएम को झूठा बता रहे उनके नेता अरविंद केजरीवाल सबसे बड़े झूठे है। हमारे पीएम नरेंद्र मोदी का डंका देश ही नहीं बल्कि विश्व में बजता है। हर व्यक्ति को पता है कि झूठा कौन है सच्चा कौन है। हमारे सीएम नायब सिंह सैनी ने चुनाव से पहले वायदे किया था 25 हजार नौकरियों देने के बाद सीएम पद की शपथ लेने का वो पूरा किया। सीएम नायब सिंह सैनी ने शपथ बाद में ली पहले 25 हजार युवाओं को नौकरी दी।

राजस्थान हाईकोर्ट के तीन नवनियुक्त जजों ने ली शपथ

जयपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट में तीन नव नियुक्त जजों ने शपथ ग्रहण की है। हाईकोर्ट की मुख्य पीठ जोधपुर में मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव ने नव नियुक्त जज चंद्रशेखर शर्मा, प्रमिल कुमार माथुर और चंद्र प्रकाश श्रीमाली को शपथ दिलाई। इसके साथ ही राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर अब 33 हो गई है। तीनों 1992 बैच के न्यायिक अधिकारी हैं। इससे पहले गत वर्ष अक्टूबर में भी राजस्थान हाईकोर्ट को नए न्यायाधीश मिले थे। उनमें दो पंजाब, एक हरियाणा हाईकोर्ट से और एक तेलंगाना हाईकोर्ट से थे। इसमें पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश अवनीश झिंगन और न्यायाधीश अरुण मोंगा, तेलगांना हाईकोर्ट के न्यायाधीश मुन्नूरी लक्ष्मण का राजस्थान तबादला किया गया था। राजस्थान हाईकोर्ट में 50 जजों की स्वीकृत संख्या है। इस समय हाईकोर्ट में कुल 33 जज नियुक्त हो चुके हैं।

शहनाज शेख, मिष्टी खत्री और कनिका शेट्टी ने जीता द फैशन पेज का खिताब

जयपुर (हिंस)। ओबेरॉय इंटरटेनमेंट के बैनर तले पाम रिजॉर्ट जयपुर में द फैशन पेज ब्यूटी पेजेंट का आयोजन किया गया। शो डायरेक्टर सैम ओबेरॉय ने बताया कि इस ब्यूटी पेजेंट में शहनाज शेख ने मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीता जबकि मिष्टी खत्री ने मिस इंडिया बनी। कनिका शेट्टी को मिस इंडिया राजस्थान के खिताब से नवाजा गया। द फैशन पेज मिस्टर इंडिया का खिताब सौरभ भारद्वाज ने जीता। कार्यक्रम के दौरान फिल्ममेकर एवं एक्टर महावीर कुमार सोनी ने शो स्टॉपर रहे। खूबसूरत लिबासों में सजी मॉडल्स ने रैंप पर कैटवॉक कर पीएस लाउंज सैलून के लेटेस्ट मेकअप ट्रेंड्स और हेयर स्टाइल्स को शोकेस किया। तीन राउंड्स में हुए फैशन शो में मॉडल्स ने निवारा एकेडमी ऑफ फैशन और वृंदा फैशन लेबल की ड्रेस पहनकर कैटवॉक की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नंदकिशोर भिंडा,

अंकेश माथुर और बृजमोहन शर्मा रहे जबकि सेलिब्रिटी गेस्ट सुल्तान शाहिद अहमद और महावीर कुमार सोनी, फतेह सिंह रहे। मुख्य संरक्षक डॉ. गोविंद सिंह, ब्रांड एंबेसडर जितिन चौधरी, जूरी मैं पूजा शर्मा, ममता जायसवाल, पूजा शर्मा, खुशी, शालू मेहरा, ईशा कोहली, राहुल शर्मा, चेल्सी तंवर रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन करण परिहार ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में द दिवास क्लब की फाउंडर कीर्ति जोशी, पूजा परिहार, पवन सैन, कुसुम सैन और अविनाश शर्मा, वैश्वी मल्टीवेंचर्स के डायरेक्टर अमन वर्मा, प्रशांत शर्मा, संदीप पालीवाल, निशा शर्मा, पत्रकार साबिर कुरैशी, अभय नाग, सचिन शर्मा, कुलदीप यादव, गरिमा बनोलिया, धीरज शाह, शिल्पी सैनी, शकुंतला टैलर, रोजी बारोंलिया, रानू सोनी, मनीष कुमार, जितेंद्र कुमार, मो. अजहरुद्दीन, नेहा कुमारी ने शिरकत की।

द्रोणाचार्य अवॉर्ड मिलने पर हॉकी कोच संदीप सांगवान को पंचायत ने सम्मानित किया

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत के गांव नूरणखेड़ा निवासी हाकी कोच संदीप सांगवान को द्रोणाचार्य अवॉर्ड मिलने की खुशी में गांव नूरणखेड़ा के गर्ल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ग्रामीणों ने स्वागत समारोह किया। इस कार्यक्रम में भाजपा नेता प्रदीप सांगवान ने हाकी कोच संदीप सांगवान को सम्मान सूचक गदा एवं शॉल से सम्मानित किया। प्रदीप सांगवान ने कहा कि खिलाड़ी हमारे राष्ट्र का गौरव हैं। संदीप को द्रोणाचार्य अवॉर्ड मिलने के पीछे उनकी अथक मेहनत है। इन्होंने गांव नूरणखेड़ा के साथ-साथ प्रदेश व राष्ट्र का भी नाम ऊंचा किया है। ग्रामीणों द्वारा सम्मानित करने के बाद द्रोणाचार्य अवॉर्डी संदीप सांगवान ने सभी ग्रामीणों का आभार प्रकट किया। संदीप ने युवाओं को आह्वान किया कि खेलों में बढ़चढ़ कर भाग लेकर अपने गांव, प्रदेश और राष्ट्र का नाम रोशन करें। राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को सरकार करोड़ों रुपए की सम्मान राशि के साथ-साथ उचित नौकरी भी दे रही है।

जिला बचाओ आंदोलन की रैली को रोकने का प्रयास, थाना प्रभारी व अधिवक्ताओं में झड़प

भीलवाड़ा (हिंस)। शाहपुरा के जिले का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के दौरान सोमवार को जिला संघर्ष समिति की रैली को रोकने के प्रयास में पुलिस और अधिवक्ताओं के बीच टकराव हो गया। यह घटना हायर सेकेंडरी स्कूल के बाहर हुई, जहां पुलिस ने रैली को रोकने की कोशिश की, जिससे तनावपूर्ण माहौल बन गया। इस दौरान थाना प्रभारी सुरेश चंद्र और अधिवक्ताओं के बीच तीखी बहस हुई। आरोप है कि सीआई ने एक अधिवक्ता का हाथ पकड़कर उसे पुलिस जीप में बैठाने का प्रयास किया। इस पर अधिवक्ताओं ने थाना प्रभारी पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए भीलवाड़ा के एसपी, शाहपुरा

के एएसपी और उपखंड अधिकारी से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराई और थाना प्रभारी को हटाने की मांग की। संघर्ष समिति के सदस्य एडवोकेट अनिल शर्मा ने आरोप लगाया कि थाना अधिकारी सुरेश चंद्र ने रैली में शामिल अधिवक्ताओं से दुर्व्यवहार किया और उन्हें जेल में डालने की धमकी दी। इसके विरोध में वकीलों और स्थानीय नागरिकों ने उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन किया और थाना प्रभारी के खिलाफ नारेबाजी की। विप्र सेना शाहपुरा के पदाधिकारियों ने भी घटना की निंदा करते हुए उपखंड अधिकारी भरत जयप्रकाश मीणा को ज्ञापन सौंपा। वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल शर्मा ने कहा कि इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी गई है और शाहपुरा न्यायालय में इस्तगासा दायर किया जा रहा है। संघर्ष समिति के अध्यक्ष दुर्गालाल राजौरा ने कहा कि पुलिस आंदोलन को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाया कि आंदोलन की पूर्व सूचना के बावजूद पुलिस स्वीकृति मांगकर बाधा उत्पन्न कर रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य ने कहा कि उन्हें मामले की मौखिक जानकारी मिली है, लेकिन लिखित शिकायत अभी तक प्राप्त नहीं हुई। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि थाना अधिकारी ने कोई अभद्रता की है, तो जांच करवाई जाएगी।

धर्मांतरण कराने के आरोप में दंपति को किया गिरफ्तार, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

फतेहपुर (हिंस)। जिले में सोमवार को विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की जानकारी पर पुलिस ने धर्मांतरण कराने का प्रयास कर रहे एक दंपति को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी दंपति सहित तीन व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। तीसरे फरार व्यक्ति की पुलिस तलाश कर रही है। कोतवाली पुलिस ने सोमवार को दिन में करीब 2-00 बजे धर्मांतरण कराने के आरोपी समरेंद्र सिंह पुत्र नरेंद्र सिंह निवासी मरबला गाजापट्टी उड़ीसा तथा उनकी पत्नी सुष्मिता सिंह को कानूनी कार्रवाई कर जेल भेज दिया। वहीं फरार आरोपी ओमप्रकाश की गिरफ्तारी का पुलिस प्रयास में जुटी है। बताते चलें कि कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के छोटा लालपुर गांव में आरोपी दंपति धर्मांतरण कराने का काम कर रहे थे। जानकारी मिलने पर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस को सूचना दी। इस मामले में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक

सुनील कुमार सिंह ने बताया कि धर्म परिवर्तन करने के मामले में एक दंपति को गिरफ्तार किया गया है। मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

राष्ट्र और समाज का सर्वांगीण विकास ही संघ का ध्येय : दीपक विसपुते

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख दीपक विसपुते ने कहा कि राष्ट्र और समाज का सर्वांगीण विकास ही संघ का ध्येय है। प्रत्येक स्वयंसेवक का कार्य गुणवत्ता युक्त होना चाहिए। उन्होंने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य, कुटुंब प्रबोधन और स्वदेशी जागरण जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए कार्य किया जा रहा है। विसपुते रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवीय भाग के गुणवत्ता संचलन एवं भाग एकत्रीकरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर पथ संचलन में अनुशासन और एकता का अद्वितीय प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत गौरव पुरस्कार विजेता गौरव शर्मा ने अपने माउंट एवरेस्ट अभियान के अनुभव साझा करते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपने मन के एवरेस्ट पर विजय प्राप्त कर लेता है, उसके लिए कोई भी बाधा असंभव नहीं रहती। कार्यक्रम के दौरान

अनुशासित स्वयंसेवकों ने घोष के साथ संचलन करते हुए समाज के सामने संघ के उद्देश्यों और कार्यों को प्रस्तुत किया। पथ संचलन कार्यक्रम स्थल प्रताप नर्सरी से शुरू होकर कैलाश टावर, टोंक रोड, नगर निगम और विधानसभा के सामने से मुख्य मार्गों से होते हुए स्वयंसेवकों ने अनुशासन और एकता का संदेश दिया। समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों और महिलाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के समापन पर मालवीय भाग संघ चालक राम मोहन गर्ग ने उपस्थित नागरिकों और मातृशक्ति का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां समाज में एकता, अनुशासन और संगठन के महत्व को रेखांकित करती हैं।

समान काम समान वेतन की मांग को लेकर होमगार्ड जवानों का प्रदर्शन

भागलपुर (हिंस)। समान काम के बदले समान वेतन की मांग को लेकर बिहार रक्षा वाहिनी स्वंय सेवक संघ के बैनर तले होमगार्ड के जवानों ने सोमवार को भागलपुर समाहरणालय परिसर में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान होमगार्ड के जवानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। इसके उपरांत एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को मांगों से युक्त ज्ञापन सोंपा। इस मौके पर बिहार रक्षा वाहिनी स्वंय सेवक संघ के उपाध्यक्ष पवन कुमार यादव ने बताया कि 2016 में सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद भी हम लोगों को अब तक समान काम के बदले समान वेतन नहीं मिल रहा है।

ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों के लिए बीकानेर में कार्यशाला

बीकानेर (हिंस)। ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों के लिए बीकानेर रेंज की तरफ से रेंज आईजी ओमप्रकाश की अध्यक्षता में सोमवार को सदर थाना सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एसपी कावेंद्र सागर, आईपीएस रमेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पवन भदोरिया, लोक अभियोजन संजीव पुरोहित, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से एल डी पंवार, चूरू की पुलिस अधीक्षक कृष्णा और डॉक्टर नवल गुप्ता सहित कई लोग शामिल हुए। कार्यशाला में करीब ट्रांसजेंडर समुदाय से 60 लोग मौजूद रहे। रेंज आईजी बोले कि पुलिस मुख्यालय की तरफ से संचालित ऑपरेशन तहत ही कार्यशाला का आयोजन किया है। इसका उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय को प्रदत्त अधिकारों के संरक्षण, आमजन व पुलिस का इस समुदाय के प्रति संवेदनशील व्यवहार तथा सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं की जानकारी देना है। सेमीनार में आईजी ने बताया कि लैंगिक भेदभाव को जड़ से मिटाने की जिम्मेदारी समाज के प्रत्येक नागरिक की है। पुलिस थाना स्तर पर नियुक्त नोडल पुलिस अधिकारियों को इस समुदाय के लोगो की शिकायतों को संवेदनशीलता से सुना जाना, प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए है। ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को पुलिस के समक्ष अपनी बात को धैर्यपूर्वक रखने के लिए निवेदन किया गया।

डबल इंजन की सरकार ने समाज के हर वर्ग का बिना भेदभाव किया है विकास : डॉ. दिनेश शर्मा

अयोध्या (हिंस)। पूर्व उपमुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कहुआ में आयोजित जनचौपाल में परिवारवाद को लेकर सपा पर जमकर हमला किया। विकास तथा सरकार की योजनाओं का जमकर बखान किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने प्रखरता से राष्ट्रवाद के मुद्दे का जिक्र किया। जतिवाद पर प्रहार किया। पूर्व डिप्टी सीएम ने मिल्कीपुर विधानसभा के कहुआ, करमडांडा कुचेरा, रेउना भरखपुर हैरिंग्टनगंज, बरईपाड़ा कुमारगंज में जनचौपाल लगाई। चंद्रबली सिंह महाविद्यालय कुमारगंज में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन सम्मेलन को सम्बोधित किया। जनचौपालों में पहुंचने पर कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि सपा जातिवाद के सहारे चुनाव लड़ रही है। लेकिन मिल्कीपुर की जनता विकासवाद के साथ है। परिवारवादी तथा जतिवादी लोग कभी समाज का समग्र विकास नहीं करते हैं। उनके द्वारा हमेशा अपने परिवाद की चिंता की जाती है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने समाज के हर वर्ग का बिना भेदभाव विकास किया है। उन्होंने कहा की प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में विभिन्न जाति, सम्प्रदाय के लोग देश दुनिया से आकार स्नान कर रहे हैं। यह विश्व का सबसे बड़ा समाजिक समरसता का उदाहरण है। डबल इंजन की सरकार ने विकासवाद के मुद्दे को राजनीति के केंद्र में ला दिया है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता देश प्रथम के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए राजनीति के माध्यम से जनसेवा करता है। महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता राष्ट्र के प्रति समर्पित रहता है। सरकार ने समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए योजनाओं की श्रंखलाएं प्रदान की है। जिनके सफल क्रियान्वयन से जनता में भाजपा के प्रति उत्साह का माहौल है। सम्मेलन में कृष्ण कुमार पांडेय खुन्नू, राघवेन्द्र पांडेय, जर्नादन मौर्या, अजय तिवारी सहित बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

हिंदी में वैज्ञानिक शब्दावली से रसायन विज्ञान को सरलता से समझ सकेंगे छात्र : डॉ. मिथिलेश

जौनपुर (हिंस)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के रज्जू भैया संस्थान स्थित रसायन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ.मिथिलेश यादव ने सोमवार को मानव रचना विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में *रसायनशास्त्र शिक्षण में भाषा की भूमिका* विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस सेमिनार का आयोजन वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा किया गया था। व्याख्यान में डॉ. यादव ने हिंदी में वैज्ञानिक शब्दावली के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह न केवल सटीक और स्पष्ट होनी चाहिए, बल्कि इसे आम जीवन में उपयोग में लाना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हिंदी शब्दावली का विकास रसायन विज्ञान जैसे जटिल विषयों को आम जनता और छात्रों तक सरलता से पहुंचाने में सहायक हो सकता है। डॉ. यादव ने पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य से जुड़े कई विषयों पर चर्चा की। उन्होंने खाद के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी

की उर्वरता में हो रही कमी और पर्यावरण पर इसके दुष्प्रभावों को रेखांकित किया। साथ ही, सूक्ष्म प्लास्टिक के बढ़ते प्रदूषण और जलीय जीवों पर इसके घातक प्रभावों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने ग्रीनहाउस प्रभाव के बढ़ते खतरे और उससे निपटने के उपायों की आवश्यकता पर बल दिया।

बिहार रक्षा वाहिनी स्वयंसेवक संघ का 21 सूत्री मांगों के समर्थन में चरणबद्ध आंदोलन प्रारंभ

सहरसा (हिंस)। बिहार रक्षा वाहिनी स्वयंसेवक संघ जिला इकाई ने सोमवार को अपने 21 सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन जिला कार्यालय से निकलकर शहर के मुख्य मार्ग होते समाहरणालय तक प्रदर्शन निकाला। साथ ही स्टेडियम परिसर में धरना दिया। साथ ही शिष्टमंडल ने 21 सूत्री मांगपत्र जिलाधिकारी को सौंपा उपाध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि गृह रक्षकों के मूलभूत समस्याओं के निदान को लेकर पूरे राज्य के गृह रक्षक अपने-अपने जिला में आज रैली प्रदर्शन एवं धारना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभिन मांग को लेकर पूर्व में किए गए आंदोलन में संघ प्रतिनिधिमंडल के साथ सरकार के साथ हुई वार्ता के दो महीने बीत जाने के बाद अभी तक आदेश निर्गत नहीं किया गया है, जिसको लेकर राज्य स्तर पर चरणबद्ध

आंदोलन शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध आंदोलन के तहत मंगलवार को संगठन जिला कार्यालय से रैली प्रदर्शन एवं थाली पीटते हुए शहर के मुख्य मार्ग होते जिलाधिकारी के समझ थाली पीट कर सरकार के दोहरी नीति का विरोध किया जाएगा। बुधवार को जिला गृह रक्षकों द्वारा सरकार द्वारा गृह रक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार के विरोध में जिला कार्यालय से जिलाधिकारी कार्यालय तक शांतिपूर्ण मशाल जुलूस निकाला जाएगा। जबकि 30 जनवरी को संघ प्रतिनिधि जिला के सांसद, मंत्री, विधायक, विधान पार्षद को मांग पत्र सौंपेंगे। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष देशबंधु आजाद, महासचिव सुदेश्वर प्रसाद, हरेंद्र सिंह, सत्येंद्र प्रसाद, रमाशंकर भारती, बटेश्वर राम, भगवान सिंह, अशोक कुमार सिंह, कुंदन कुमार, शिवजी प्रसाद गुप्ता, रामाश्रय प्रसाद, राधेश्याम सिंह सहित सैकड़ों गृह रक्षक मौजूद थे।

सुशील मोदी को पद्मभूषण देने की घोषणा पूरे बिहार का सम्मान : जेस्सी सुशील मोदी

पटना (हिंस)। राजनीति के जरिए बिहार के विकास को नई दिशा देने के लिए आजीवन प्रयत्नशील रहे सुशील कुमार मोदी को पद्मभूषण देने की घोषणा पूरे बिहार का सम्मान है। स्व. सुशील कुमार मोदी की अर्धांगिनी जेस्सी सुशील मोदी और उनके पुत्र अक्षय ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व बिहार के मुख्यमंत्री तथा दोनों उपमुख्यमंत्रियों का आभार जताते हुए सोमवार को यहां कहा है कि इस सम्मान से भाजपा के लाखों समर्पित कार्यकर्ताओं का आत्मगौरव बढ़ेगा। मोदी ने कहा कि सुशील मोदी ने समाज के विभिन्न तबकों व लोगों के बीच काम किया और बिहार के विकास के लिए कई सामाजिक कार्य किए, जिनमें अस्पतालों और गरीब लोगों की मदद करना भी शामिल था। विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे के लोगों के लिए यह पुरस्कार उनके निधन से मिले लोगों के घावों पर दवा के रूप में भी काम करेगा और प्रेरणा का स्रोत बनेगा। खासकर उन युवाओं के लिए जिन्हें लक्ष्य निर्धारित करने और दिशा देने के लिए नेताओं की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा

कि मरणोपरांत सुशील कुमार मोदी को पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित करने की घोषणा दरअसल सुशील मोदी की पांच दशकीय सार्वजनिक व राजनीतिक जीवन के समर्पण व सद्कार्य की पहचान का सम्मान है। इस सम्मान से भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं व सुशील मोदी को चाहने वालों के साथ मेरा परिवार भी हर्षित है। सुशील मोदी के इस सम्मान को बिहारवासियों को समर्पित कर मुझे अतिशय प्रसन्नता होगी, क्योंकि उनका सम्पूर्ण समर्पण बिहार के प्रति था। राजनीति को सेवा व आमजन की उन्नति-प्रगति का माध्यम मानने वाले सुशील मोदी के प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि व सम्मान होगा। उन्होंने कहा है कि सुशील मोदी हमेशा अपने दल के अंदर नेताओं की अगली पीढ़ी को तैयार करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे पार्टी में काम करते रहे का प्रयास करने वाले राजनेता थे। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व वाली भारत सरकार और सीएम नीतीश कुमार, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल, उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उप-मुख्यमंत्री विजय सिन्हा के नेतृत्व वाली बिहार सरकार के प्रति आभारी व्यक्त करते हुए कहा है कि यह सम्मान लोगों के लिए जमीनी स्तर पर सुशील जी की कड़ी मेहनत, बिहार राज्य के वित्त और विकास को बदलने और देश में जीएसटी के सफल कार्यान्वयन के लिए एक और मान्यता है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार लगातार दूसरे दिन मामूली गिरावट नजर आ रही है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये से लेकर 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 75,540 रुपये से लेकर 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 97,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 75,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स ने टीपी-लिंक के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने भारत में अपने नेटवर्किंग उपकरणों तथा स्मार्ट घरेलू उत्पादों के विनिर्माण के लिए अग्रणी वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड टीपी-लिंक के साथ साझेदारी की सोमवार को घोषणा की। दोनों कंपनियों के अनुसार इस रणनीतिक साझेदारी का मकसद कनेक्टेड डिवाइस के लिए भारत की बढ़ती मांग को पूरा करना तथा भारत में विनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक को निर्यात बाजारों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करना है। इसमें कहा गया कि यह सहयोग टीपी-लिंक के मेक इन इंडिया दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्धता को और दूरसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए वैश्विक केंद्र बनने के भारत के संकल्प को मजबूत करता है। इन उत्पादों का विनिर्माण ओईएल की सुविधा में किया जाएगा, जिसकी प्रति वर्ष 60 लाख उपकरणों के उत्पादन की क्षमता है। विज्ञप्ति में कहा गया कि यह सहयोग निर्यात बाजारों के लिए इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के विकास और विनिर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। इसमें कहा गया, ओईएल, टीपी-लिंक के लिए पावर एडॉप्टर, मैकेनिकल पार्ट्स और अन्य चीजें उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा। इस समझौते से आयात निर्भरता कम होगी और आपूर्ति पर बेहतर नियंत्रण मिलेगा।

चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जनवरी में मंदी, क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49.1 पर, दिसंबर 2024 में 50.1 था

हांगकांग। चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जनवरी में मंदी दर्ज की गई है। यह मंदी का कारण मुख्य रूप से श्रमिकों के चंद्र नववर्ष की छुट्टियों के लिए अपने गृहनगर जाना माना जा रहा है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार कारखाना प्रबंधकों के सर्वेक्षण पर आधारित क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49.1 पर आ गया, जो कि दिसंबर 2024 में 50.1 था। सूचकांक के 50 से ऊपर होने का मतलब है कि उत्पादन गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट दर्शाता है। नये ऑर्डर तथा उत्पादन में भी कमी आई है। गैर-विनिर्माण क्षेत्र के लिए समानांतर क्रय प्रबंधक सूचकांक दिसंबर के 52.2 अंक से फिसलकर जनवरी में 50.2 अंक पर आ गया है। ब्यूरो के एक वरिष्ठ सांख्यिकीविद् ने कहा कि कारखाना गतिविधियों में गिरावट अंशिक रूप से छुट्टियों के कारण है। उन्होंने बताया कि चीन में सबसे बड़ा त्यौहार चुंग जी का सार्वजनिक अवकाश है, जो मंगलवार से शुरू होगा और चार फरवरी तक जारी रहेगा। इसके दौरान लाखों नागरिक अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए शहरों से गांवों की ओर लौटते हैं। चीन की अर्थव्यवस्था ने 2024 में पांच प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ाई थी, जो कि मजबूत निर्यात और प्रोत्साहन के परिणाम है।

स्टेनलेस स्टील की मांग बढ़ाने बुनियादी ढांचा खर्च को मिले प्राथमिकताः जिंदल

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस को उम्मीद है कि आगामी केंद्रीय बजट में स्टेनलेस स्टील क्षेत्र के विकास में बाधा बनने वाली प्रमुख चुनौतियों से निपटने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार से उम्मीद है कि वह स्टेनलेस स्टील उद्योग की कुछ प्रमुख आवश्यकताओं को पूरा करेगी, जिनमें जलमार्ग, रेलवे और तटीय परिवहन जैसे गतिशील बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना, आवश्यक कच्चे माल के आयात पर शून्य आयात शुल्क जारी रखना और सस्ते आयात से होने वाले नुकसान को रोकना शामिल है। केंद्रीय बजट 2025-26 से पहले जिंदल स्टेनलेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि स्टेनलेस स्टील की मांग बढ़ाने के लिए, हम सरकार को बुनियादी ढांचे पर खर्च को प्राथमिकता देते रहने और अंतर्देशीय जलमार्ग, रेल बुनियादी ढांचे और तटीय परिवहन जैसे गतिशील बुनियादी ढांचे के विकास पर खास ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने इस उद्योग के लिए और भी कई सुझाव दिए, जैसे कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना और आयात शुल्क पर बदलाव करना। जिंदल स्टेनलेस ने सरकार को स्टेनलेस स्टील उद्योग के उत्थान के लिए और भी कई कदम उठाने की सलाह दी है, जिससे घरेलू उद्योग मजबूत हो सके और भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद मिल सके।

भारत के निर्यातकों की मजबूत स्थिति : अमेरिकी बाजार में छाया भारतीय सामान का जलवा

पिछले वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में, भारत का वस्तु निर्यात बढ़कर 59.93 अरब डॉलर हुआ

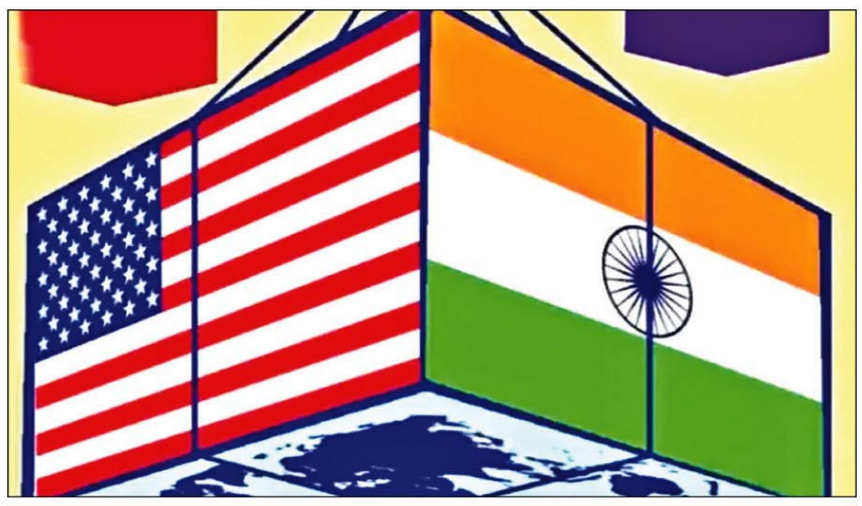

नई दिल्ली

अमेरिका में ट्रंप युग की शुरुआत हो गई हो और उन्होंने विभिन्न देशों, भारत सहित, पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी हो लेकिन भारत के निर्यातकों ने बजाय हर्जाने के अमेरिकी बाजार में अपनी मजबूती साबित की है।

नवंबर 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत ने अमेरिका को हर घंटे लगभग 80 करोड़ रुपए का सामान निर्यात किया है। इसका मतलब है कि भारतीय उत्पादों की मांग अमेरिकी बाजार में बढ़ रही है और निर्यात में वृद्धि हो रही है।

पिछले वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में, भारत का वस्तु निर्यात 5.57 फीसदी बढ़कर 59.93 अरब डॉलर पहुंच गया है, जो मौजूदा रुझान की मजबूती को दर्शाता है। इसके साथ ही दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात 8.49 फीसदी बढ़कर सात अरब डॉलर रहा है। भारतीय निर्यात में यह वृद्धि सकारात्मक संकेत देती है और भारत के भीतर उत्पादन की वृद्धि को प्रोत्साहित करती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में निर्यात के लिए अच्छे मौके हैं, जिससे भारतीय उत्पादकों के लिए नये दरवाजे खुल सकते हैं।

आगे चलकर, इस व्यापारिक संबंध का विस्तार होने की संभावना है और भारत और अमेरिका के बीच व्यापार में और बढ़ोतरी हो सकती है। इस रिपोर्ट से स्पष्ट हो रहा है कि भारतीय निर्यातकों की क्षमता और उत्पादन अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की मांग में भी वृद्धि दर्ज हो रही है। यह संकेत भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिका में बड़ी संभावनाएं दर्शाता है, जो आने वाले वर्षों में निर्यात में और वृद्धि को देख सकते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में 2024 में ऐतिहासिक वृद्धि

नई दिल्ली। 2024 में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेश प्रवाह में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की है। निवेश प्रवाह में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज करते हुए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया ने बताया कि इक्विटी और इक्विटी-ओरिएंटेड योजनाओं में कुल निवेश 3.9 लाख करोड़ रुपए हुआ, जो 2023 के 1.6 लाख करोड़ रुपए से दोगुना बढ़कर अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि निवेशकों के बढ़ते विश्वास और दीर्घकालिक निवेश की ओर इशारा करती है। हालांकि, इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद 2025 के लिए बाजार में सतर्कता का माहौल देखा जा रहा है। जर्मिनेट इन्वेस्टर सर्विसेज के सह-संस्थापक और सीईओ संतोष जोसेफ ने दिसंबर में इक्विटी फंड प्रवाह में कमी का संकेत दिया है, जिसे बाजार में बढ़ती अस्थिरता के कारण देखा जा रहा है। जोसेफ ने कहा कि इतिहास गवाह है कि इक्विटी फंड्स में निवेश प्रवाह बाजार के प्रदर्शन से गहराई से जुड़ा होता है। जब बाजार में अनिश्चितता रहती है, तो निवेशक गतिविधि धीमी हो जाती है। उन्होंने इस प्रवृत्ति का कारण बाजार में बढ़ती अस्थिरता बताया और जोड़ा कि 2025 में नए फंड लॉन्च और इक्विटी फंड जुटाव में कमी देखने का संकेत मिल सकता है। इसके बावजूद दीर्घकालिक निवेशकों के लिए स्थिति उत्साहजनक है और विशेषज्ञों का मानना है कि जो बाजार में बने रहते हैं, वे स्थिरता आने पर इक्विटी मार्केट्स की संपत्ति सृजन क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हुई इस वृद्धि ने दिखाया कि निवेशक आधुनिक और दीर्घकालिक योजनाओं को अधिक पसंद करने लगे हैं, पारंपरिक विकल्पों से हटकर।

मैक्रोटेक डेवलपर्स का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कर्ज 12 प्रतिशत घटा

मुंबई

भारतीय रियल एस्टेट बाजार में स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि उनकी कंपनी का शुद्ध ऋण अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 12 प्रतिशत घटकर 4,320 करोड़ रुपये रह गया है। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित आंकड़ों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने ब्रांड के तहत संपत्तियों का विपणन करने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स का शुद्ध ऋण चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के अंत में 4,930 करोड़ रुपये था।

शुद्ध ऋण चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के अंत में 4,930 करोड़ रुपए था

इसके बाद की चुनौतियों और संघर्षों के बारे में भी उन्होंने बात की। उन्होंने बताया कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है और उनकी उम्मीद भी वित्त वर्ष के समापन में मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही पूर्व-बिक्री मामले में हमारी अब तक की सबसे मजबूत तिमाही रही।

संग्रह के मामले में भी यह अब तक की सबसे अच्छी तिमाही रही। उन्होंने अपने भविष्य की योजनाओं और रणनीतियों के बारे में भी बात की और कहा कि महत्वपूर्ण व्यावसायिक विकास और मजबूत परिचालन प्रदर्शन के दम पर उनका शुद्ध ऋण करीब 600 करोड़ रुपये कम हो गया है और अब करीब 4,300 करोड़ रुपये का है। इसका ऋण समता अनुपात 0.22 है।

किसानों के लिए खुशखबरीः केंद्र सरकार का खेत से उपभोक्ता तक मॉडल

देश के करोड़ों किसानों के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। केंद्र सरकार एक नए मॉडल पर काम कर रही है, जिससे कृषि उत्पादों की खरीदी-बिक्री में बिचौलियों की भूमिका कम होगी तो अनाज की कीमतों पर इसका असर देखने को मिल सकता है, इसलिए हो सकता है कि जो गेहूं बाजार में 40 रुपये किलो मिल रहा है वह 35 रुपये किलोग्राम तक ग्राहकों को मिल जाए। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मॉडल के महत्व पर जोर दिया और कहा कि यह किसानों को अधिकतम लाभ पहुंचाएगा। इस मॉडल के तहत भारतीय किसान अपनी उपज को सीधे उपभोक्ताओं तक बेच सकेंगे, जिससे अनाज की कीमतों में स्थिरता आ सकती है। इसके अलावा सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीद, प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों को प्रोत्साहित करने और कृषि विज्ञान केंद्रों को मजबूत करने का काम भी जारी रखा है। चौहान ने कहा कि किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और उनके बिना देश समृद्ध नहीं हो सकता। इसीलिए सरकार ने किसानों को सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। कृषि क्षेत्र और किसानों का योगदान अहम है, और ऐसे कदम से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इस नए मॉडल से किसानों को आर्थिक अवसरों में और सुधार मिलेगा, जिससे उनकी स्थिति में सुधार आ सकता है।

मुंबई 3.0 में 11 अरब डॉलर के निवेश करने को तैयार ब्लैकस्टोन

मुंबई

देश में सबसे ज्यादा जीडीपी वाले राज्य महाराष्ट्र के लिए अच्छी खबर है। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी में शुमार ब्लैकस्टोन अगले तीन से पांच साल में महाराष्ट्र में 11 अरब डॉलर के निवेश करने को तैयार है। इस रकम को राज्य के प्रमुख शहरों में डेटा सेंटर, रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी संपत्ति में निवेश किया जाएगा। अमेरिका के इस इंस्टीट्यूशनल निवेशक ने भारत के तेजी से बढ़ रहे प्रॉपर्टी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की व्यापक रणनीति बनाई है। इसके तहत कंपनी ने दावोस में राज्य सरकार के साथ तीन अलग-अलग समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस साल वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में राज्य के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक ब्लैकस्टोन के कुल निवेश का करीब 5 अरब डॉलर मुंबई 3.0 में जाएगा। मुंबई 3.0 राज्य सरकार का एक अहम प्रोजेक्ट है। इसके तहत मुंबई और नवी मुंबई की क्षमता का विस्तार करने के लिए एक तीसरे शहर को विकसित किया जाएगा। मुंबई 3.0 को कर्नाला-साई-चिरनेर न्यू टाउन के नाम से भी जाना जाता है। इसके मुंबई के करीब स्थापित किया जाएगा। इससे मुंबई में जगह की कमी दूर होगी।

सूत्र ने कहा कि ब्लैकस्टोन पहला वैश्विक संस्थागत निवेशक होगा जो इस नए उभरते शहर में कार्यालय परिसरों, आतिथ्य संपत्तियों, खुदरा मॉल और वेयरहाउसिंग संपत्तियों के विकास को सपोर्ट करेगा। ब्लैकस्टोन ने अपने जॉइंट वेंचर पार्टनर पंचशील रियल्टी के साथ मिलकर राज्य में डेटा केंद्रों के विकास के लिए 3 अरब डॉलर तक का निवेश करने के लिए महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) के साथ एक समझौता किया है। साथ ही उसने मुंबई महानगर क्षेत्र में डेटा केंद्रों सहित बुनियादी ढांचे की संपत्तियों के लिए अतिरिक्त 3 अरब का निवेश करने के लिए महाराष्ट्र के सीईडीसीओ के साथ एक समझौता किया है।ब्लैकस्टोन वर्तमान में नवी मुंबई में दो डेटा सेंटर बनाने की प्रक्रिया में है और इसमें प्रत्येक में 30 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश किया है। लुमिना क्लाउडइंफ्रा नाम से ये डेटा सेंटर भी पंचशील रियल्टी के साथ साझेदारी में विकसित किए जा रहे हैं। नया डेटा सेंटर निवेश इसके अतिरिक्त होगा।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,101.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने में 0.49 प्रतिशत टूट कर 19,956.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 136.74 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44,285.52 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.74 प्रतिशत फिसल कर 8,502.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,394.93 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,927.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 4 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। ताइवान, कोरिया और इंडोनेशिया के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण ताइवान वेटेड इंडेक्स, कोस्पी इंडेक्स और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। अभी तक के कारोबार में हैंग सेंग इंडेक्स 182.10 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,248.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.30 प्रतिशत उछल कर 3,262.36 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 159.50 अंक यानी 0.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,971.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 105.96 अंक यानी 0.27 प्रतिशत टूट कर 39,826.02 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,798.75 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत फिसल कर 1,351.98 अंक के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

आईओए और एनजीओसी ने एथलीट सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन शुरू की

नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और राष्ट्रीय खेल आयोजन समिति (एनजीओसी) ने उत्तराखंड में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेल-2025 के दौरान एथलीटों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष सुरक्षा टेलीफोन हेल्पलाइन की स्थापना की है। इस पहल का उद्देश्य खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों के लिए एक सुरक्षित और समावेशी वातावरण तैयार करना है।

चौबीसों घंटे उपलब्ध होगी हेल्पलाइन

आईओए की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा, यह हेल्पलाइन खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगी। यह खेलों के दौरान उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और अन्य प्रतिकूल घटनाओं को रोकने और हल करने में मदद करेगी।

सुरक्षा समिति की विशेष भूमिका

डॉ. उषा ने बताया कि इस पहल के तहत एक सुरक्षा समिति भी गठित की गई है। समिति की अध्यक्षता नीतल नारंग और दीपा मेहता कर रही हैं। यह समिति सुरक्षा संबंधी मुद्दों की रोकथाम के लिए काम करेगी और आने वाली शिकायतों पर गोपनीयता के साथ तेजी से कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

महिला प्रतिभागियों को मिलेगा विशेष समर्थन

सभी प्रतिभागियों के लिए सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं, लेकिन समिति विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों के समर्थन पर ध्यान केंद्रित करेगी। डॉ. उषा ने कहा, यह पहल आईओए और एनजीओसी की खेलों में एक सुरक्षित और समावेशी माहौल बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

शिकायतों की गोपनीयता और जवाबदेही पर जोर

डॉ. उषा ने बताया कि सुरक्षा समिति घटनाओं का दस्तावेजीकरण करेगी, जवाबदेही सुनिश्चित करेगी और कदाचार को रोकने के लिए सक्रिय उपाय लागू करेगी। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य एक ऐसा भरोसेमंद खेल वातावरण तैयार करना है, जहां प्रतिभागी अपनी समस्याओं की रिपोर्ट कर सकें और उन्हें प्रभावी ढंग से हल किया जा सके।

राज्य संघों और महासंघों को जागरूकता बढ़ाने का निर्देश

राज्य ओलंपिक संघों और राष्ट्रीय खेल महासंघों से अनुरोध किया गया है कि वे इस पहल के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपनी टीमों के साथ हेल्पलाइन और अन्य संसाधनों के संपर्क विवरण साझा करें।

आईओए और एनजीओसी ने एथलीटों और अन्य प्रतिभागियों को इन संसाधनों का उपयोग करने और अपनी भलाई की रक्षा के लिए प्रोत्साहित किया है। यह पहल राष्ट्रीय खेलों में सुरक्षा और कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने पेशेवर करियर की धमाकेदार शुरुआत की

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने अपने पेशेवर मुक्केबाजी करियर की शानदार शुरुआत करते हुए लास वेगास के कॉस्मोपॉलिटन में खेले गए मुकाबले में एल्टन विगिन्स पर पहले राउंड में स्टॉपेज के जरिए शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला 25 जनवरी को डिएगो पचेको बनाम स्टीव नेल्सन अंडरकार्ड का हिस्सा था। निशांत, जो पहले ही एडी हर्न और मैचरूम बॉक्सिंग के साथ करार कर चुके हैं, को पूर्व पेशेवर मुक्केबाज रोनाल्ड सिम्स द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह जीत उनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत देती है और भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक नया आयाम जोड़ती है। ओलंपिक और शौकिया करियर में बेहतरीन प्रदर्शन निशांत देव ने 2024 पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, वह मैक्सिको के मार्को वर्डे से मामूली अंतर से हार गए थे। पेशेवर मुक्केबाजी में कदम रखने से पहले, निशांत को अपनी पीढ़ी के भारत के सर्वश्रेष्ठ पुरुष शौकिया मुक्केबाज के रूप में जाना जाता था। 2023 आईबीए बॉक्सिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में उन्होंने क्यूबा के एक मुक्केबाज को हराकर इतिहास रच दिया था। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बने। यह उपलब्धि उनकी क्षमता और कौशल को दर्शाती है। निशांत की यह जीत उनके समर्थकों और भारतीय खेल जगत के लिए गर्व का विषय है। उनके प्रदर्शन ने भारतीय मुक्केबाजी के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं।

अंगूठे की चोट के साथ कुहनेमन ने पहला प्रशिक्षण सत्र पूरा किया

नई दिल्ली। मैट कुहनेमन ने स्वीकार किया कि उन्हें थोड़ी देर के लिए डर लगा था कि उनके अंगूठे की चोट के कारण श्रीलंका दौरे पर जाने की उनकी उम्मीदें समाप्त हो सकती हैं, लेकिन टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम के गाले पहुंचने पर उन्होंने और स्टीवन स्मिथ ने पूर्ण प्रशिक्षण सत्र पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बाएं हाथ के स्पिनर कुहनेमन के दाहिने हाथ के अंगुठे पर इस महीने की शुरुआत में ब्रिसबेन हीट के लिए खेलते हुए चोट लग गई थी। वह सप्ताहांत में श्रीलंका में टीम के साथ फिर से जुड़ गए और दो मैचों की श्रृंखला के लिए द्वीप पर पहुंचने के बाद रविवार दोपहर का पहला पूर्ण सत्र पूरा किया। कार्यवाहक कप्तान स्मिथ, जिन्हें बीबीएल में कोहनी में मामूली चोट लगी थी, ने नेट पर बल्लेबाजी में उतना ही समय बिताया जितना किसी और ने बिताया और ऐसा नहीं लगा कि वे किसी परेशानी में हैं। हर टीम सदस्य ने वैकल्पिक सत्र में भाग लिया। स्पष्ट रूप से टर्निंग परिस्थितियों की तैयारी के लिए, ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर ने इस महीने की शुरुआत में एससीजी में टेस्ट डेब्यू पर मध्यम गति की गेंदबाजी के बजाय अपने करियर के शुरुआती दिनों की तरह दाएं हाथ की ऑफ स्पिन गेंदबाजी की। कुहनेमन अपने दाहिने अंगूठे पर ब्रेस पहनना जारी रखे हुए हैं और मेडिकल स्टाफ उनकी निगरानी करेगा। उनकी चोट स्मिथ की तुलना में ज्यादा गंभीर लग रही है, लेकिन कुहनेमन 29 जनवरी से शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले पूरी तरह से फिट महसूस कर रहे हैं। कुहनेमन ने पहले प्रशिक्षण सत्र से पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, मैंने घर पर कुछ सत्र किए और मैं स्पष्ट रूप से बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण तथा गेंदबाजी के अलावा हर चीज में सतर्क था, मुझे कोई समस्या नहीं हुई। कुछ साल पहले भी यही अंगूठा चोटिल हुआ था और यह वास्तव में दर्दनाक था, लेकिन यह शुरू से ही ठीक है। सर्जरी का इंतजार करते हुए, कुहनेमन ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि उन्हें श्रीलंका में अपने तीन टेस्ट कैप में कुछ और मौका मिलेगा या नहीं। 28 वर्षीय खिलाड़ी को 2023 में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे के लिए देर से बुलाया गया था, और उसके बाद से उपमहाद्वीप के दौरे की कमी ने उन्हें आगे के अवसरों से वंचित कर दिया।

शिवम दुबे की भारतीय टीम में वापसी संभव, नीतीश रेड्डी और रिंकू सिंह चोटिल

मुंबई। इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारतीय टीम को बड़ा झटका लग सकता है क्योंकि उभरते हरफनमौला खिलाड़ी नीतीश कुमार रेड्डी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण शेष मैचों से बाहर हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, रेड्डी को कम से कम चार सप्ताह के आराम और रिहैबिलिटेशन की जरूरत है, जिससे उनकी वापसी अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान ही संभव होगी। रेड्डी की अनुपस्थिति में, 31 वर्षीय शिवम दुबे को भारतीय टीम में बुलाए जाने की संभावना है। दुबे 28 जनवरी को राजकोट में खेले जाने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले टीम में शामिल हो सकते हैं।

इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 : चीन को रजत थाईलैंड और दक्षिण कोरिया का दबदबा

जकार्ता

इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 रविवार को इस्तोरा सेनयान स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न हुआ। टूर्नामेंट में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां विभिन्न देशों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

चीन को मिश्रित युगल में रजत पदक

मिश्रित युगल फाइनल में चीन के गुओ झिनवा और चेन फांगहुई जापान के हिरोकी मिडोरिकावा और नात्सु सैतो के हाथों 21-15, 21-17 से हारकर स्वर्ण पदक से चूक गए। यह मुकाबला 34 मिनट तक चला, जिसमें जापानी जोड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाया।

पुरुष एकल: थाईलैंड के कुनलावुत ने जीता खिताब

पुरुष एकल फाइनल में थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न ने मेजबान इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-18 से हराया और खिताब पर कब्जा जमाया।

महिला एकल: थाईलैंड की रत्चानोक का दबदबा

थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन ने महिला एकल फाइनल में दक्षिण कोरिया की सिम यू-जिन को सीधे सेटों में 21-18, 21-17 से हराते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पुरुष युगल: मलेशिया ने जीता स्वर्ण

पुरुष युगल फाइनल में मलेशिया के मैन वेई चोंग और टी काई वुन ने इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद रियान अर्दियांतो को 21-11, 21-19 से हराकर खिताब जीता।

महिला युगल: दक्षिण कोरिया का शानदार प्रदर्शन

महिला युगल फाइनल में दक्षिण कोरिया की किम हये-जियोंग और कोंग ही-योंग ने इंडोनेशिया की पर्ली टैन और मुरलीधरन थिनाह को 21-12, 17-21, 21-18 से हराकर खिताब पर कब्जा किया।

इस टूर्नामेंट में थाईलैंड और दक्षिण कोरिया का दबदबा देखने को मिला, जबकि चीन और मेजबान इंडोनेशिया स्वर्ण पदक जीतने में असफल रहे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

अर्शदीप सिंह बने आईसीसी पुरुष टी20 इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024

दुबई। भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण तब आया जब बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को 'आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 चुना गया। 25 वर्षीय अर्शदीप ने 2024 में 18 टी20 मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 36 विकेट हासिल किए। यह उपलब्धि उन्हें न केवल भारतीय क्रिकेट में बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी सबसे प्रभावशाली तेज गेंदबाजों में से एक बनाती है। इससे पहले, अर्शदीप को रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या के साथ आईसीसी की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टी20 टीम में शामिल किया गया था। आईसीसी द्वारा जारी एक वीडियो संदेश में अर्शदीप ने इस सम्मान के लिए अपने कोच, खिलाड़ियों और स्पोर्ट्स स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार उनकी मेहनत और समर्थन के बिना संभव नहीं था। 2024 टी20 विश्व कप में अर्शदीप का प्रदर्शन भारत की सफलता की आधारशिला साबित हुआ। भारतीय टीम ने 17 वर्षों बाद यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। जसप्रीत बुमराह के साथ अर्शदीप ने भारत के तेज आक्रमण का नेतृत्व किया और टूर्नामेंट में 17 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान साझा किया। टी20 विश्व कप के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ अर्शदीप ने 9 रनों पर चार विकेट के शानदार आंकड़े दर्ज किए। फाइनल मुकाबले में, जहां भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से था, अर्शदीप ने निर्णायक भूमिका निभाई। क्विंटन डी कॉक का महत्वपूर्ण विकेट लेकर उन्होंने भारत की उम्मीदें बनाए रखीं। 19वें ओवर में जब दक्षिण अफ्रीका को 12 गेंदों में 20 रन चाहिए थे, अर्शदीप ने मात्र 4 रन दिए। हार्दिक पंड्या ने आखिरी ओवर में 16 रन डिफेंड कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई। अर्शदीप ने कहा, टी20 विश्व कप फाइनल में जीतना हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था। मैं भविष्य में भी ऐसे प्रदर्शन कर टीम को बेहतरीन नतीजे दिलाने की कोशिश करूंगा। यह पुरस्कार अर्शदीप की प्रतिभा और मेहनत का प्रमाण है और वह भारतीय क्रिकेट का चमकता सितारा बने हुए हैं।

एफसी बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर लगातार चौथी बार महिला सुपर कप जीता

मैड्रिड

एफसी बार्सिलोना की महिला फुटबॉल टीम ने अपना दबदबा कायम रखते हुए रविवार को रियल मैड्रिड को 5-0 से करारी शिकस्त दी और लगातार चौथी बार महिला सुपर कप का खिताब अपने नाम किया। बार्सिलोना, जो स्पेन की लीगा एफ में 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बनाए हुए है, ने मैच के हर क्षण में अपना वर्चस्व दिखाया।

गोल की बारिश:

मैच के 30वें मिनट में नॉर्वे की कैरोलिन ग्राहम-हैनसेन ने पहला गोल कर बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। इसके बाद 37वें मिनट में पोलिश फॉरवर्ड इवा पाजोर ने शानदार गोल करते हुए बढ़त को 2-0 कर दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में पाजोर ने एक और गोल कर बार्सिलोना को 3-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने अपना आक्रमण जारी रखा। 62वें मिनट में पैट्री गुइजारो ने दूर से शक्तिशाली शॉट मारकर चौथा गोल किया। मैच के 85वें मिनट में कप्तान एलेक्सिया पुटेलस ने हेडर से गोल करते हुए स्कोर 5-0 कर दिया। यह स्कोर अंत तक बरकरार रहा।

बार्सिलोना का दबदबा जारी:

यह जीत बार्सिलोना की महिला टीम के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। लगातार चार महिला सुपर कप खिताब जीतकर बार्सिलोना ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और टीमवर्क का परिचय दिया है।

रियल मैड्रिड पर एकतरफा जीत:

मैच के दौरान बार्सिलोना ने न केवल अपने आक्रमण को मजबूती से प्रदर्शित किया, बल्कि रियल मैड्रिड को कोई मौका नहीं दिया। यह जीत बार्सिलोना के महिला फुटबॉल में प्रभुत्व को और मजबूत करती है।

बार्सिलोना की यह जीत उनके फैंस और क्लब के लिए एक और यादगार क्षण साबित हुई। अब टीम अपने आगामी मुकाबलों के लिए पूरी तरह तैयार है।

जकार्ता में इंडोनेशियाई मास्टर्स बैडमिंटन विजेता

जकार्ता में इंडोनेशियाई मास्टर्स बैडमिंटन में विजेता दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी किम हेयी जियांग और कोंग ही योंग रनर अप व अन्य खिलाड़ियों के साथ पोज देती हुई।

महिला एचआईएल ट्रॉफी जीतना हमारे लिए गर्व की बात : नेहा

रांची

ओडिशा वॉरियर्स ने 26 जनवरी को खचाखच भरे मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को हराकर पहली बार महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 की ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और तीन क्वार्टर तक 1-1 की बराबरी पर था। मैच के आखिरी पांच मिनट में रुतुजा दादासो पिसल (20', 56') ने निर्णायक गोल दागा, जिससे वॉरियर्स ने खिताब अपने नाम किया।

कप्तान नेहा ने जताई खुशी

टीम की कप्तान नेहा ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यह हमारी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। महिला एचआईएल की पहली ट्रॉफी जीतना हमारे लिए गर्व की बात है। लड़कियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और यह जीत हमारी कड़ी मेहनत का फल है। मजबूत रणनीति और दमदार प्रदर्शन फाइनल में टीम की रणनीति पर बात करते हुए नेहा ने बताया, हम जानते थे कि सूरमा एक मजबूत टीम है और उनकी गति को रोकना हमारी प्राथमिकता थी। हमने नजदीकी मार्किंग पर जोर दिया और अपने पेनल्टी कॉर्नर को हथियार बनाया। हालांकि, हमारे दोनों गोल फील्ड गोल के रूप में आए, जिससे यह जीत और भी खास बन गई।

पूरे टूर्नामेंट में रहा शानदार प्रदर्शन

लीग चरण में वारियर्स ने 13 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था, जबकि सूरमा ने तालिका में शीर्ष स्थान पाया था। वॉरियर्स की स्टार ड्रैगफ्लिकर यिब्बी जेनसन ने लीग में सर्वाधिक पाँच पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

भारतीय हॉकी के लिए बड़ा अनुभव

नेहा ने कहा, टूर्नामेंट का माहौल अद्भुत था। यहां प्रशंसकों ने सभी टीमों का समर्थन किया, जो भारतीय हॉकी के लिए एक सकारात्मक संकेत है। विदेशी खिलाड़ियों के साथ और उनके खिलाफ खेलते हुए हमने गति और तकनीक के मामले में कई महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं, जो हमें आने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में मदद करेंगे। ओडिशा वॉरियर्स की इस ऐतिहासिक जीत ने न केवल टीम को गौरवान्वित किया, बल्कि भारतीय महिला हॉकी के लिए भी एक नई प्रेरणा दी है।

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट राउंड 8: प्रज्ञानानंद और गुकेश के बीच मुकाबला ड्रॉ

नई दिल्ली

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश के साथ रोमांचक मुकाबले में ड्रॉ खेला। बर्लिन डिफेंस में सफेद मोहरों से खेलते हुए, प्रज्ञानानंद ने एक अनुकूल स्थिति बनाई, लेकिन गुकेश ने अपने बेहतरीन बचाव से खेल को बराबरी पर बनाए रखा।

खेल के दौरान गुकेश ने काउंटरप्ले को आगे बढ़ाने के लिए एक मोहरे की बलि दी। हालांकि प्रज्ञानानंद ने इसका लाभ उठाने की कोशिश की, लेकिन खेल बराबरी के करीब बना रहा।

जैसे ही रानियों का आदान-प्रदान हुआ, खेल एक रूक और प्यादों के अंतिम गेम में पहुंचा, जहां गुकेश ने शानदार रणनीति अपनाते हुए एक बाहरी पास मोहरा बना लिया। प्रज्ञानानंद के पास इसे रोकने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। 33 चालों के बाद मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

इस ड्रा के साथ प्रज्ञानानंद और गुकेश दोनों 5.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर बने रहने की संभावना है।

वहीं, दूसरे ओवरनाइट लीडर उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव के साथ ड्रॉ खेला, जिससे वह भी शीर्ष स्थान पर बने रहेंगे।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन:

ग्रैंडमास्टर पी. हरिकृष्णा ने डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेला। रुई लोपेज़ के आर्केंजेल्स्क वेरिएशन में खेले गए इस मुकाबले में शुरुआती मध्य खेल के बाद दोनों खिलाड़ियों ने बराबरी पर खेल को खत्म किया। हरिकृष्णा के अब 4 अंक हैं, जबकि गिरी ने लगातार सातवां ड्रॉ खेलते हुए 3.5 अंक जुटाए।

अर्जुन एरिगैसी ने सर्बिया के एलेक्सी सराना के साथ ड्रॉ खेला, जबकि लियोन ल्यूक मेंडोंका ने हॉलैंड के जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के खिलाफ भी ड्रॉ निकाला। अर्जुन, मेंडोंका से आधे अंक पीछे हैं।

स्वास्थ्य

पेन किलर खा रहे हैं तो जान लें इसके नुकसान

कई बार जरूरत से ज्यादा काम करना, आराम न करना, किसी तनाव के कारण सिरदर्द या बदन दर्द होने लगता है। दर्द से राहत पाने के लिए बहुत से लोग पेन किलर दवाओं का सेवन करते हैं। ये दवाएं कुछ ही देर में दर्द को खत्म कर देती हैं लेकिन हम नहीं जानते की जल्दी राहत पहुंचाने वाली दवाएं आगे चलकर कितनी खतरनाक हो सकती हैं। आज हम आपको यही बताएंगे की पेन किलर दवाएं स्वास्थ्य को कितना नुकसान पहुंचा सकती है।

लीवर पर प्रभाव

पेन किलर दवाइयों में एसिटामिनोफेन होता है। जो हमारे स्वास्थ पर बुरा प्रभाव डालती हैं। इन दवाओं को जरुरत से ज्यादा खाने से लिवर खराब हो सकता है। पेन किलर लिवर को खराब करने के साथ किडनी को भी नुकसान पहुंचाती हैं।

पेट में अल्सर

पेट में अल्सर की समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है। इसका कारण गलत खान-पान या पेन किलर दवाएं भी हो सकती हैं क्योंकि इन में एस्पिरिन ज्यादा होता है। जो पेट संबंधित समस्याओं को बढ़ा देते है।

गर्भपात

प्रैग्नेंट महिलाओं को पेन किलर दवाओं का सेवन नहीं करना चाहिए। इस अवस्था में दवाओं का ज्यादा सेवन करने से कई बार गर्भपात भी हो सकता हैं। गर्भवती महिलाओं को डॉक्टर की सलाह से ही दवाएं लेनी चाहिए।

ब्लड प्रैशर बढ़ना

बार-बार दर्द निवारक दवाओं का सेवन करने से व्यक्ति को इनकी लत लग जाती है। इन दवाओं को लगातार खाने से खून पतला पड़ जाता है, जिससे खून जमने लगता है और ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा बना रहता है।

डिप्रैशन का कारण

इन दवाओं का लगातार सेवन करने से कई बार डिप्रैशन की समस्या भी होने लगती है इसलिए जितना हो सके दवाओं का कम सेवन करना चाहिए।

आपके ऑफिस के ड्रॉवर में जरूर रखें ये स्नैक्स

जब हमें कोई स्वास्थ्यगत समस्या आती है, तभी हम अपनी सेहत को लेकर अलर्ट होते हैं। तो इससे पहले कि आपका शरीर आपको कोई चेतावनी दे, आपको खुद ही उसकी जरूरतों को समझना चाहिए। ऑफिस कैंटीन या फिर किसी कैफेटेरिया या पिज्जा हाउस से जंक मंगवाकर खाने के बजाए आप अपनी डेस्क में ही कुछ ऐसी चीजें रखें जिनसे पेट भी भरे और आपकी सेहत पर खराब प्रभाव भी न पड़े।

बीज : जी हां, बीज....! तरबूज, खरबूज के बीज या फिर मूंगफली के दाने आप अपनी डेस्क की ड्रॉवर में हमेशा रखें। एक तो ये चीजें जल्दी खराब नहीं होतीं, दूसरे ये प्रोटीन का अच्छा स्रोत होती हैं।

सूखे फलः सूखे फल जैसे किशमिश, खुबानी, खजूर या सूखे सेब जैसी चीजें भी आप अपने पास रख सकते हैं। ये फाइबर के स्रोत हैं और न्यूट्रिशियस भी हैं। ध्यान यह रहे कि आप इनके साथ शकर न लें।

क्रैकर्स : क्रैकर्स भी स्नैक्स टाइम में खाने लायक चीजें हैं। भारतीय खाने में मठरी, खाखरे, रोस्टेड पापड़ आदि आप अपने साथ रखें। रोस्टेड धान जैसे ज्वार, गेहूं आदि भी आप इसमें शामिल कर सकते हैं। बस, इन्हें ज्यादा मात्रा में न खाएं।

पॉपकॉर्नः पॉपकॉर्न भी आप अपने साथ रख सकते हैं। पॉपकॉर्न बनाते हुए इसमें थोड़ा नमक, काली मिर्च, हल्दी, जीरा आदि डाल लें। इससे यह

आपके नमकीन खाने की इच्छा को भी संतुष्ट करेगा।

डार्क चॉकलेट : यदि आपको पसंद है तो आप अपने स्नैक्स टाइम में एक-दो क्यूब्स डार्क चॉकलेट भी ले सकते हैं। कोको मैग्निशियम का बड़ा सोर्स है और मैग्निशियम एक स्वाभाविक स्ट्रैस रिलीवर है।

भुना चनाः आप चाहे जो अपनी डेस्क के ड्रॉवर में रखें लेकिन जो बात भुने हुए चने में है, वह किसी और में नहीं होगी। ये प्रोटीन का पंच हुआ करते हैं।

मसाला परमलः ये विशुद्ध देसी स्नैक है, जिसे आप अपने साथ रख सकते हैं। सूखा व हल्का होने से यह रखने में आसान है। मसाला परमल आपकी हर तरह के स्वाद की इच्छा को पूरा करने की क्षमता रखता है। इसमें तेल नहीं होने से यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।

नट्सः नट्स आप अपनी डेस्क की ड्रॉवर में रख सकते हैं। ये सूखे रहते हैं और एनर्जी सोर्स होने के साथ ही जल्दी भूख मिटाने वाले भी होते हैं। आप बादाम, काजू, अखरोट और चिलगोजे अपने साथ रख सकते हैं। स्नैक्स टाइम में या फिर जब भी भूख लगे, आप इन्हें खा सकते हैं। ये भी प्रोटीन के अच्छे स्रोत माने जाते हैं।

कभी भी कलीग्स के साथ शेयर न करें ये बातें..

चाहे आप ऑफिस में नए हों या पुराने, कलीग्स के साथ हमेशा सीमित बातें ही करनी चाहिए। आपको अपने ऑफिस के दोस्तों को क्या और कितनी बातें बतानी हैं ये आपको पहले से ही पता होना चाहिए। कुछ लोगों की आदत होती हैं कि वे दूसरों की निजी जिंदगी के बारे में सब जानना चाहते हैं जिस वजह से वह आपसे आपकी पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत सवाल पूछते हैं÷

आपको ऐसे लोगों से बच कर रहना चाहिए क्योंकि यही लोग आगे चलकर छोटी छोटी बातों का बतंगड़ बनाने में देरी नहीं करते, इसलिए कभी भी अपनी निजी जिंदगी की यह बातें दूसरों से सांझा करने से पहले एक बार जरूर सोचें । आइए जानते हैं वे कौन- सी बातें हैं जो कभी अपने कलीग्स से सांझा नहीं करनी चाहिए।

हंस कर टाल दें: आपकी सैलरी कितनी है यह पूछने का हक किसी को नहीं होता, पर फिर भी कुछ लोग मानते नहीं हैं। अगर आपसे भी कोई यह सवाल पूछे तो हंस कर टाल दें। ज्यादा पूछने पर आप यह भी कह सकते हैं की जितनी सैलरी मिल रही हैं आप उसी में खुश हैं और इससे ज्यादा क्या चाहिए।

भविष्य की योजनाओं के बारे में: अगर आपका अपनी वर्तमान कंपनी को जल्द ही छोड़ने का इरादा हो या आपके पास कोई अच्छा ऑफर आया हो, आगे बढ़ने के लिए कुछ टाइम का ब्रेक चाहिए हो या आप विदेश जाने की सोच रहे हों, तो इन बातों को अपने तक ही सीमित रखें। किसी भी कलीग से इन बातों को शेयर करना सही नहीं होगा। फिर चाहे आप दोनों के रिश्ते कितने भी अच्छे क्यों न हों।

निजी जिंदगी के बारे में चर्चा: अपने पारिवारिक रहन-सहन, रिलेशनशिप और विवाद के बारे में ऑफिस में ना बताएं। पर्सनल बातें जैसे प्रॉपर्टी, इन्वेस्टमेंट जैसी बातें किसी को न बताएं। अगर आप अपनी परिवार के साथ नहीं रहते, अकेले रहते हैं और आपको किसी की सलाह चाहिए तो आप ऑफिस के कलीग से पूछने की जगह अपने विश्वसनीय दोस्त से पूछें जिससे आपको फायदा होगा।

सौंदर्य

ये है फटे होंठों की परेशानी को खत्म करने का सबसे आसान तरीका

सर्दियों में त्वचा नमी खोने लगती है, इस वजह से होंठ भी फटने लग जाते हैं. फटे होंठ जहां चेहरे पर बदसूरती का अहसास कराते हैं. वहीं, दूसरी ओर काफी दर्द भी देते हैं. ब्यूटी एक्सपर्ट शहनाज हुसैन का मानना है कि नारियल तेल और ऑर्गन तेल से बने लिप बाम और लिपिस्टिक के प्रयोग से होठों को फटने से बचाया जा सकता है. उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में नमी की कमी के अलावा शरीर में पोषाहार तत्वों की कमी की वजह से भी होंठ फट जाते हैं. शरीर में विटामिन-ए, सी तथा बी-2 की कमी से कई बार होठों में दरारें आ जाती हैं और खून बहना शुरू हो जाता है.

उन्होंने कहा कि सर्दियों में अगर आपके होंठ लगातार फट रहे हैं और सामान्य घरेलू उपचारों से राहत नहीं मिल रही है, तो आप महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की बजाय अपने खान-पान पर ज्यादा ध्यान दें. खट्टे फल, पका पपीता, टमाटर, हरी पत्तों वाली सब्जियां, गाजर और दूध वाले पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करें, लेकिन आप अगर डायबिटिज या हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से भी जूझ रहे हों तो डॉक्टर की सलाह से अपनी डाइट में बदलाव करें.

शहनाज हुसैन ने कहा कि सर्दियों में अपने होठों को जीभ से ना छुएं. इससे होठ ड्राय होने लगते हैं और फिर फटने लगते हैं. होठों की स्किन पतली तथा संवेदनशील होती है, जिससे यह सर्दियों में फट जाती है. सर्दियों में चेहरे को धोने के बाद होठों को मुलायम तौलिए से हल्के से पोंछना चाहिए, ताकि डेड स्किन को हटाया जा सके. रोज़ाना रात में एक घंटे तक होठों पर मलाई लगाकर रखें, इससे होंठ मुलायम और गुलाबी हो जाएंगे.

उन्होंने कहा कि रात में शुद्ध बादाम तेल और ऑर्गन तेल होंठों पर लगाना चाहिए. ऑर्गन आयल अनसैचुरेटेड फैटी एसिड से भरपूर होता है. इसका प्रयोग क्रीम, लोशन, फेश पैक और हेयर ऑयल जैसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स में किया जाता है. यह त्वचा के लचीलेपन जैसे गुणों को बनाए रखकर बुढ़ापे के लक्षणों को रोकता है. आर्गन आयल की बूंदों को आप सीधे होठों पर मालिश कर सकते हैं.

उन्होंने कहा कि नारियल तेल को पोषक तथा नमी बनाए रखने के गुणों से भरपूर माना जाता है. यह त्वचा को मुलायम तथा कोमल बनाता है. इसे होठों पर लगाने से सूर्य की अल्ट्रा वायलेट किरणों के नुकसान को रोका जा सकता है और यह त्वचा की क्रीम से बेहतर सुरक्षा कवच प्रदान करता है. इसे चेहरे का मेकअप हटाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है.

होंठों को फटने से बचाने के लिए इश रूटीन को फॉलो करें

1. अपने होठों पर साबुन या पाउडर के प्रयोग से परहेज करें. होठों पर बाम लगाएं और ड्राय लिपस्टिक लगाने से बचें.
2. होठों पर रोज़ाना रात में बादाम तेल या क्रीम लगाकर सोएं.
3. लिपस्टिक क्लीजिंग मिल्क से हटाएं.
4. सर्दियों में अपने होठों को जीभ से कभी टच ना करें.

खतरनाक है अगरबत्ती का धुआं

भारतीय लोग पूजा-पाठ में काफी विश्वास रखते हैं तो ऐसे में हर घर में सुबह-शाम अगरबत्ती और धूपबत्ती का इस्तेमाल किया जाता है। लोगों के अनुसार शाम के समय अगरबत्ती जलाने से घर का वातावरण शुद्द होता है लेकिन कुछ घरों में इसका ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है जिससे कई बार शरीर को बीमारी होने का खतरा रहता है। अगरबत्ती के धुएं से सांस की परेशानी हो जाती है। इसके अलावा अगरबत्ती या धूपबत्ती के धुएं से और भी कई समस्याएं हो सकती हैं जिसके बारे में लोगों को जरूर पता होना चाहिए।

कफ जिन घरों में अगरबत्ती का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है वहां कई बीमरियां होने का खतरा रहता है। अगरबत्ती के धुएं से कार्बनमोनोऑक्साइड निकलती है जो फेफड़ों को नुकसान पहुंचाती है। इस धुएं में सांस लेने से कफ और छींकने की समस्या हो जाती है और छाती में रेशा और बलगम जम जाती है जिससे काफी परेशानी होती है।

अस्थमा अगरबत्ती या धूपबत्ती के धुएं में अधिक देर तक सांस लेने से सांस की समस्या हो जाती है। इसमें मौजूद नाइट्रोजन और सल्फर डाईऑक्साइड गैस शरीर में चली जाती है जिससे अस्थमा और सीओपीडी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

त्वचा और आंखें

ज्यादा देर तक अगरबत्ती के धुएं में रहने से स्किन प्रॉब्लम हो जाती है और आंखों में भी जलन होने लगती है। अगरबत्ती के धुएं में मौजूद केमिकल के संपर्क में आने से त्वचा और आंखों में जलन और खुजली होने लगती है जिससे आंखे खराब हो जाती हैं।

मस्तिष्क

अगरबत्ती के धुएं की वजह से दिमाग की कोशिकाएं प्रभावित होती है जिससे सिरदर्द और माइग्रेन जैसी समस्या हो सकती है।

दिल

स्वस्थ शरीर के लिए दिल का तंदुरुस्त होना भी बहुत जरूरी है। ऐसे में जब रोजाना अगरबत्ती का धुआं सांस के साथ शरीर में जाता है तो इससे दिल की कोशिकाएं सिकुड़ना शुरू हो जाती हैं जिससे हार्ट अटैक होने का खतरा बना रहता है।

बने रहना है जवान तो, रोज खाइए बस एक आंवला

आंवला को हर मर्ज की दवा भी कहा जाता है. कहते हैं, बुजुर्गों की बात का और आंवले के स्वाद का पता बाद में चलता है. आंवला को प्राचीन आयुर्वेदिक प्रणाली में कई तरह के रोगों के इलाज के लिए लगभग पांच हजार साल से इस्तेमाल किया जा रहा है. इसका नियमित सेवन दिल की बीमारी, डायबिटीज, बवासीर, अल्सर, दमा, ब्रॉन्काइटिस और फेफड़ों की बीमारी में राम बाण का काम करता है. पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आंवला के सेवन से बुढ़ापा दूर रहता है, यौवन बरकरार रहता है, पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है, आंखों की रोशनी, स्मरण शक्ति बढ़ती है, त्वचा और बालों को पोषण मिलता है.

आंवले के 10 ऐसे फायदे जिन्हें जानना आपके लिए है बेहद जरूरी

आचार्य बालकृष्ण के मुताबिक लंबी उम्र के लिए आंवला चूर्ण रात के समय घी, शहद

या पानी के साथ सेवन करना चाहिए. इसी तरह आंवला चूर्ण 3 से 6 ग्राम लेकर आंवले के स्वरस और 2 चम्मच शहद और 1 चम्मच घी के साथ दिन में दो बार चटाकर दूध पीयें, इससे बुढ़ापा जाता है, आप जवान बने रहते हैं.

उन्होंने कहा कि आंवला, रीठा, शिकाकाई तीनों का काथ बनाकर सिर धोने से बाल मुलायम, घने और लंबे होते हैं. सूखे आंवले 30 ग्राम, बहेड़ा 10 ग्राम, आम की गुठली की गिरी 50 ग्राम और लोह चूर्ण 10 ग्राम रातभर कढ़ाई में भिगोकर रखें और बालों पर इसका लेप लगाने से छोटी उम्र में सफेद हुए बाल कुछ ही दिनों में काले पड़ जाते हैं.

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आंवले के 20 मिलीलीटर रस में 5 ग्राम शक्कर और 10 ग्राम शहद पीने से योनिदाह में अत्यंत आराम होता है. इसी तरह आंवले के बीज 3 से 6 ग्राम जल में ठंडाई की तरह पीस-छानकर उसमें शहद और मिश्री मिलाकर पिलाने से तीन दिन में ही श्वेतप्रदर यानी कि ल्यूकोरिआ में खास फायदा होता है.

इन बीमारियों में ऐसे करें आंवले का इस्तेमाल

नेत्ररोगः 20-50 ग्राम आंवलों को जौकुट कर दो घंटे तक आधा किलोग्राम पानी में औटाकार उस जल को छानकर दिन में तीन बार आंखों में डालने से नेत्र रोगों में लाभ मिलता है.

नकसीः जामुन, आम और आंवले को बारीक पीसकर माथे पर लेप करने से नाक से खून आना बंद हो जाता है.

रेसिपी

गुड़ का हलवा

सामग्री

3/4 कटोरी आटा, 1/4 कटोरी रवा, 1/2 कटोरी घी, 1 1/2 कटोरी गुड़ या गुड़ का बूरा (बाज़ार में उपलब्ध), पानी, आवश्यकतानुसार, 2 टेबलस्पून कटे हुए ड्राय फ्रूट्स + सजाने के लिए अतिरिक्त

विधि

एक पैन में घी डालकर धीमी आंच पर गर्म करें. अब इसमें रवा डालकर दो मिनट भूनें। फर आटा डालकर धीमी आंच पर आटे के रंग बदलने और खुशबू आने तक (लगभग 15 मिनट) भूनें। जब यह अच्छी तरह भुन जाए तो इसमें ड्राय फ्रुट्स डालकर एक मिनट और भूनें। अब इसमें पानी डालें (लगभग 3 कटोरी) और अच्छी तरह चलाएं, ताकि गांठें न बनने पाएं। फिर गुड़ डालकर अच्छी तरह मिलाएं। चलाती रहें, जब हलवा तली से अलग होने लगे आंच से उतार लें। ड्रायफ्रुट्स से सजाकर गर्म-गर्म परोसें।

काजू-मक्खनवाला पनीर

सामग्री

1 टेबलस्पून तेल, 1 टेबलस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 40 ग्राम काजू का पेस्ट, 3 टेबलस्पून मगज पेस्ट (बाजार में उपलब्ध), 2 टीस्पून कसूरी मेथी, 2 टीस्पून मक्खन, 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टेबलस्पून जीरा पाउडर, 1 टेबलस्पून गरम मसाला पाउडर, 20 मिली क्रीम + 10 मिली सजाने के लिए, 2 टेबलस्पून मक्खन, 400 ग्राम पनीर, चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ।

विधि

एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालें। अब काजू और मग़ज पेस्ट डालकर कुछ मिनट तक चलाएं। बचे हुए मसाले डालकर कुछ देर और चलाएं। 20 मिली क्रीम और मक्खन डालें। अच्छी तरह मिलाएं। सर्व करने से पहले पनीर के टुकड़े डालें। क्रीम से सजाएं और सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**